हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

4 मार्च, 1993

खण्ड–1, अंक–8

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार 4 मार्च, 1993

पृश्ठ संख्या

तारांकित प्र न एवं उत्तर	(8)1
नियम 45 के अधीन मेज सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर	(8)19
प्रो0 सम्पत सिंह के विरुद्ध वि ोशाधिकार भंग का	(8)22

प्र न	
बैठक का स्थगन	(8)31
प्रो0 सम्पत सिंह के विरुद्ध वि ोशाधिकार भंग का प्र न (पुनरारम्भ)	(8)31
वाक आउट	(8)35
प्रो0 सम्पत सिंह के विरुद्ध वि ोशाधिकार भंग का प्र न (पुनरारम्भ)	(8)36
राज्यपाल के सन्दे ा	(8)36
ध्यानाकर्शण प्रस्ताव पलवल भाहर के आसपास स्थापित की जा रही नई औघोगिक इकाईयो और दुग्ध संयंत्र द्वारा प्रदूशण की पालना न करने सम्बन्धी।	(8)36
गैर–सरकारी संकल्प ि ाक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने तथा परीक्षाओ में नकल करने की बुराई का उम्मूलन करने सम्बंधी।	(8)37

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 4 मार्च, 1993

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्ड़ीगढ़ में प्रातः 9.30 बजे हुई। अध्यक्ष (चौधरी ई वर सिंह) ने अध्यक्षता की।

तारांकित प्र न एवं उत्तर

Case registered against H.C.S Officers

***440. Shri Jai Parkash:** Will the Chief Minister be pleased to state whether any case has been registered against the HCS Officers regarding molestation of a lady during the month of January, 1993; if so, the details thereof?.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): जी हां। मुकद्मा नं 5 दिनांक 5.1.1993 विचाराधीन 452/354/506/34 भाः सः थाना सिविल लाईन्ज हिसार श्रीमती मीना गुप्ता पत्नी श्री कुलवन्त गुप्ता वासी मकान नं0 174/2 विधुत नगर हिसार के ब्यान पर श्री बलबीर सिंह एच0 सी0 एस0, सिटी मैजिस्ट्रेट हिसार के विरुद्ध कि वह तीन अन्य व्यक्तियो के साथ उसके घर आया तथा उसने उनके साथ स्वयं चलने या अपनी लडकी को उनके साथ भेजने बारे कहने बारे दर्ज किया गया। उसके इन्कार कने पर उन्होने उसकी भालीनता भंग की तथा उसके कपडे फाड दिये। एच0 सी0

एस0 अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया तथा उसे निलम्बित कर दिया गया है।

श्री जय प्रका ा: अध्यक्ष महोदय, क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि क्या इस केस की इंवैस्टीगे ान कम्पलीट हो गई है: अगर नही तो इस केस की इंवैस्टीगे ान कब तक कम्पलीट हो जाएगी? दूसरी बात है यह पूछना चाहता हू ंकि क्या अधिकारी के खिलाफ इससे पहले भी कोई इस तरह का इंस्टान्स नोटिस में आया है, अगर आया है तो वह बताने की कृपा करे?

चौधरी भजन लाल: अध्यक्ष महोदय, जहां तक इंक्वायरी का ताल्लुक है, इस अधिकारी को सस्पैंड कर दिया गया है ओर सै ान जज की कोर्ट से इसकी बेल हो गई है। इस केस में तीन आदमी और थे। इन तीनो को भी गिरफ्तार कर लिया गया है और तफती ा जारी है। तफती ा के बाद जो कुछ निकलेगा उसके मुताबिक कार्यवाही की जाएगी।

श्री अमर सिंह: मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि बलबीर सिंह के साथ तीन और आदमी थे। क्या मुख्य मंत्री जी बताने की कृपा करेंगे कि तीन और आदमी कौन थे और उनके नाम क्या है? दूसरी बात यह है कि क्या यह हकीकत नही है कि यह आदमी दफ्तर में भाराब के न ो में बैठता है, क्या इस बारे में सरकार के पास कोई ि ाकायत पहुंची थी?

चौधरी भजन लालः स्पीकर साहब, जहां तक भाराब के न ो की बात है, ऐसी कोई बात नोटिस में नही आई है। अगर श्री अमर सिंह जी के नोटिस में किसी अफसर के बारे में कोई बात हो तो बताएं, उसके खिलाफ कार्यवाही करेंगे। जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि इसके साथ कौन आदमी थे, उनके नाम मै बता देता हूं– रोहता ा सिंह, जाति राजपूत, जवाहर नगर हिसांर। यह प्राईवेट डाक्टर है ओर आर0 एम0 पी0 है। श्री जय प्रका ा, हरिजन, यह जिला रेवाडी का रहने वाला है, विधार्थी, लॉ–कालेज दिल्ली, श्री भरत सिंह, विधार्थी, लॉ कालेज दिल्ली। ये चारो दोस्त है और इकट्ठे जाते रहते थे।

साथी लहरी सिंहः अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा मुख्य ंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या श्रीमती मीना गुप्ता, पत्नी श्री कुलवन्त गुप्ता के खिलाफ इस केस के चार–पांच महीने पहले कोई ि ाकायत दर्ज हुई थी कि यह औरत वे यावृति का धन्धा करती है, जिस कारण से इस के पति की वहां से ट्रांसफर भी हुई थी? क्या यह बात सच है कि जिस दिन का यह वाक्या है, उसके तीन चार दिन बाद उस लेडी से ऐफीडेविट लेकर के केस दर्ज किया गया? क्या यह बात भी सच है कि उस वक्त के एस0 पी0 साहब ने यह धन्धा एक बार बन्द भी करवाया था और जब उस एस0 पी0 की वहां से ट्रांसफर हो गई तो उस औरत ने फिर से दोबारा यह धन्धा भाुरु कर दिया?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, चौधरी लहरी सिंह जी पुराने मैम्बर तो अव य है लेकिन बहुत पुराने तो नही है। एक देवी के बारे में ऐसी बात कहना उनको भाोभा नही देता। चौधरी लहरी सिंह जी को यह बात पता होनी चाहिये कि हरियाणा के अन्दर वे यावृति का धन्धा करना व करवाना दोनो कानुनन जुर्म है। कोई कर नही सकता। दूसरा इन्होने कहा कि इस केस के चार पांच महीने पहले इस तरह की ि ाकायत दर्ज हुई थी कि यह औरत वे यावृति करती है। मै इनको बताना चाहता हूं कि इस बारे में हमारे से किसी ने कोई लिखित ि ाकायत नही की थी। इसके साथ इन्होने कहा कि वाक्या के तीन चार दिनो बाद उस लेडी से ऐफीडेविट लेकर ि ाकायत दर्ज की गई थी। ऐसा नही था। यह वाक्या तीन चार तारीख का था और पांच तारीख को ही उस लेडी से ऐफीडेविट लेकर मुकद्मा दर्ज कर लिया गया। उस एच0 सी0 एस0 अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसे निलम्बित कर दिया गया।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि क्या यह केस अदालत में चल रहा है? अगर अदात में चल रहा है तो यह केस सदन में नही आना चाहिये था। सम्बन्धित अधिकारी एक हरिजन जाति से सम्बन्ध रखता है, कही इस कारण से तो उसको बदनाम करने के लिये उसके खिलाु केस दर्ज नही किया गया है?

चौधरी भजन लालः अध्यक्ष महोदय, कोई हरिजन हो, ब्राहमण हो, बि नोई हो या राजपूत हो, वह किसी भी जाति से संबंधित हो, अगर कोई ऐसा काम करेगा तो उसके खिलाफ अव य की कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। जहां तक कोर्ट में केस जाने की बात इन्होने कही है, उस बारे में, मै इनको बताना चाहता हूं कि अभी तक यह केस कोर्ट में नही गया है। जब केस की पूरी जांच होगी, उसके बाद यह केस कोर्ट में जाएगा और कोर्ट ही इसका फैसला करेगी।

श्री पीर चन्दः अध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहता हू कि क्या इस केस से दो तीन घंटे पहले उस अफसर ने पुसि को यह ि ाकायत नही की थी कि फलां औरत इस तरह का धंधा करवाती है? कही इसी रंजि ा पर तो उस औरत ने उस अफसरे के खिलाफ गुस्सा निकालने के कारण झूठा ऐफीडेविट तो नही दिया था ताकि उस अफसर को फंसाया जा सके?

चौधरी भजन लालः जिस बात का पीरचन्द जी जिक कर रहे है, इस तरह की हमारे पास कोई इतलाह नही है। जब यह केस कोर्ट में जाएगा तो वह अफसर अपने आपको डिफेन्ड भी कर सकता है और उसी के अनुसार ही कोर्ट फैसला करेगी।

Water Allocance

***422. Sh Kitab Singh:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state-

(a) per thousand acre water allowance having released at present for irrigation from Western Yamuna Canal and the canals of Bhakra Branch, separately; and

(b) whether there is any difference between the said water allowance; if so, whether there is any proposal under consideration of the Govt. to bring at part the said water allowance; if no, the reasons therefore?

Irrigation Minister (Chaudhri Jagdish Nehtra):

(a) The water allowance per thousand acres is 2.4 cs. at outlet head for Western Yamuna Canals well as for Bhakra Canals.

(b) There is no difference.

श्री किताब सिंहः अध्यक्ष महोदय, मंत्री महोदय ने जो अपना जवाब दिया वह सही नही है, उसमें अन्तर है। भाखडा और डब्ल्यू जे0 सी0 का जो पानी है प्रति हजार एकड, उसमें अन्तर अव य है लेकिन इन्होने अपने जवाब में बताया है कि कोई अन्तर नही है। तो मेरी आपसे यह रिकवैस्ट है कि इनसे सही जवाब दिलवाया जाए।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य ने कहा कि यह जवाब नही है। मै इनको यह बताना चाहता हूं कि वास्तव में जो पानी बहाव से जा रहा है, चाहे वह भाखडा से हो, चाहे यमुना से हो, उसका पर हजार एकड 2.4 क्यूसिक है लेकिन जहां पर लिफट इरीगे ान है वहां अलाउंस 3.5 भी है और 4

क्यूसिकस भी है, और जहां की जमीन रेतीली है और पानी लगने में दिक्कत आती है और लिफट इरीगे ान है जैसे–जूई कैनाल, सिवानी कैनाल जे0 एल0 एन0, उनमें 3.5 और 3 क्यूसिक है, पर भाखडा और डब्ल्यू जे0 सी0 जहां बहाव से पानी आता है, वहां का 2.4 क्यूसिकस है।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, मंत्री जी ने बताया कि लिफ्ट इरीगे ान का पर हजार एकड ज्यादा है। मै जानना चाहूंगा कि भाखडा पर–हजार एकड 3.5 है क्या यह सही नही है। इसके साथ साथ एस0 वाई0 एल0 का पानी भाखडा मुख्य लाइन से 1.8 एम0 ए0 एफ0 सप्लाई किया जा रहा है या नही?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, यह बात दुरुस्त नही है कि भाखडा और डबल्यू0 जे0 सी0 के पानी में अन्तर है। जैसे मैने कहा दोनो का 2.4 क्यूसिकस पर–हजार एकड है। जहां तक भाखडा के पानी की बात है अढाई हजार क्यूकि पानी डब्ल्यू0 जे0 सी0 में भाखडा से आता है जिसमें से दिल्ली और थर्मल प्लांटस को सप्लाई होता है तथा इरीगे ान के लिए भी दिया जाता है। भाखडा का पानी जितना डब्ल्यू0 जे0 सी0 मे आ सकता है उतना आता है।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, जो बात मैने पूछी थी वह तो इन्होने बताई नही है।

श्री अध्यक्षः नेहरा साहब, इनको आप सैटिसफाई करे।

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, मैने भाखडा का पानी बता दिया है। ये रावी ब्यास के पानी के बारे में पूछ रहे है कि रावी ब्यास का पानी भाखडा में आ रहा है। जो पानी एस0 वाई0 एल0 में आना चाहिए था वह कुछ भाखडा मे आता है लेकिन जो डब्ल्यू0 जे0 सी0 की लिंक चैनल है उसमें जितना पानी आ सकता है उतना आता है। उसमे अलग अलग समय पर पानी की अवेलिबिल्टी पर डिपैंड करता है। कभी पानी ज्यादा भी आता है और लीन सीजन में बिल्कुल नही आता। इसलिये यह वेरी करता है। वी0 सी0 एम0 बी0 जितना पानी दे सकता है उतना आता है।

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, अभी मंत्री जी ने बताया कि भाखडा का पानी यमुना कैरियर चैनल के द्वारा डाला जाता है। मै इनसे जानना चाहता हूं कि कैरियर चैनल की डी–सिल्टिंग न होने की वजह से उसकी कैपैसिटी कम नही हो गई है जिस वजह से उसमें पानी कम आता है। क्या उस कैरियर चैनल की डी–सिल्टिंग करवाई जाएगी?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, पिछले दिनो करीब 9–10 साल के बाद भाखडा की रिपेयर करवाई थी। भाखडा के चैनल ऐसे है जिनमें हमे ाा पानी का बहाव चलता रहता है। इसमें इतनी सिल्ट नही होती क्योंकि पीछे से पानी साफ आता है। अगर कही से टूट गया या जाना पडा गया उस वजह से लिंक

चैनल की कैपेसिटी कम हो जाती हे। पीछे हमने इसको कुछ ठीक करवाया है उस वजह से पानी कुछ ज्यादा बढा है।

चौधरी औम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, मेरी इनफर्मे ान के मुताबिक 1.6 मिलियन एकड फीट से 1.8 मिलियन एकड फीट पानी भाखडा कैनाल में रावी व्यास का डाला जाता है और जो भाखडा से नरवाना लिंक चैनल के जरिये डब्ल्यू0 जे0 पी0 कैनाल में पानी जाता है, वह ज्यादा से ज्यादा 0.6 मिलियन एकड फीट डाला जाता है और एक मिलियन एकड फीट पानी आज भी भाखडा कनेाल से हिसार, सिरसा और नरवाना के एरियाज़ में जाता है। यह आज की बात नही है बल्कि पिछले 15 साल से उन इलाको में यह पानी जा रहा है। यह पानी रोहतक, भिवानी, गुडगांव, सोनीपत, रिवाडी, महेन्द्रगढ और फरीदाबाद जिलो के लिए है। पानी कम डालने का एक कारण यह भी है कि जो लिंक कैनाल है उसकी डी–सिल्टिंग नही हुई है, उसके कारण कम पानी डाला जाता है। मै मंत्री जी से जानना चाहूंग कि क्या सरकार लिंक कैनाल की दो तीन महीने के अन्दर अन्दर डी–सिल्टिंग करवा करके उन जिलो का जो हक बनता है, वह पानी उसमें डालेगी। मै यह भी जानना चाहता हूं कि उस लिक कैनाल की पिछले 15 साल से डी–सिल्टिंग क्यो नही करवाई गई और उसकी कैपेसिटी क्यों नही बढाई गई?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, जैसे मैने पहले अर्ज किया है कि लिंक कैनाल की पिछले साल डी–सिल्टिंग

करवाई थी जिसके कारण उसकी कैपेसिटी बढी है। जहां तक उस कैनाल में पानी कम जाने का सवाल है, इस बार यमुना में पानी कम हो गया था लेकिन फिर भी हमने गुडगांव, महेन्द्रगढ और रिवाडी जिलो में 2700 क्यूसिकस पानी पीने के लिए भिजवाया। रावी ब्यास में लीन सीजन में पानी कम होता है। यदि पीछे पानी की स्टोरज ज्यादा हो तो पानी ज्यादा भी आ जाता है यानि 0.6, 0.7 और 0.8 एम0 ए0 एफ0 पानी भी आ जाता है। जैसे माननीय सदस्य ने कहा कि सिरसा में पानी जाता है। पहले वैस्टर्न जमना कैनाल का पानी सिरसा के आखिर तक राजस्थान बार्डर तक जाता था। पहले वैस्टर्न जमुना कैनाल में फालतू पानी था लेनि उसके बारे में झगडा हो गया इसलिये जो फालतू पानी था वह विदड्रा हो गया। भाखडा कैनाल मे रावी, ब्यास और सतलुज तीनो नदियो का पानी मिल कर आता है। जब लीन सीजन होता है तो पानी की कमी हो जाती है लेकिन बारि ा के सीजन में 0.6, 0.7 और 0.8 एम0 ए0 एफ0तक पानी आ जाता है। जमुना पर बांध नही है, इसलिये जनवरी और दिसम्बर के महीनो में जब बर्फ पिघलती नही तो पानी का बहाव नही होता है। इस साल जमुना में पिछले 50 सालो में सबसे कम पानी आया। इसलिए हम चाहते है कि हमारा एग्रीमैंट हो जाए और उस पर डैम बन जाए। लिंक चैनल में दो एम0 ए0 एफ0 से फालतू पानी आता है उसमें भाखडा का पानी भी आता है। पानी सिरसा को भी जाता है। ऐसा पिछली सरकार के समय में भी था और उससे पिछली सरकार के समय में भी था। लिंक चैनल न होने की वजह से ऐसा है। माननीय सदस्य यह भी

पूछना चाहेंगे कि भाखडा के पानी के लिए अलग चैनल बना लें। इस बारे में मै यही कहना चाहूंगा कि अगर भाखडा के पानी के लिए अलग चैनल बनाने की बात आएगी तो रावी ब्यास नदियो के पानी का हमारा जो मुद्दा है वह खत्म हो जाएगा। इसलिये हम जितना पानी ला सकते है और उसमें से जितना पानी हम वैस्टर्न जमना कैनाल को दे सकते है, वह दे रहे है और देंगे।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय को बताना चाहता हूं कि वैस्टर्न जमुना कैनाल में एक महीने में एक सप्ताह पानी आता है जबकि भाखडा का पानी जो इनके अपने जिले में जाता है वह नहर महीने में 22 दिन चलती है। ये तो अपने जिले में पानी से जीरी उगाते है जबकि हमारे यहां पर बाजरा भी नही होने देते। इसलिये मेरी आपके माध्यम से इनसे रिकवैस्ट है कि ये थोडी सी उदारता दिखाते हुए महेन्द्रगढ, भिवानी और रेवाडी जिलो को भी पानी पहुंचाने की व्यवस्था करे। ये अपने इलाके के ही लोगो को खु ा न करे। यह कुस्री तो आने जाने वाली चीज है। मै मंत्री महोदय से जानना चाहता हूं कि क्या ये ऐसा कोई इंतजाम करेंगे कि इनके इलाके को भी महीने में 15 दिन पानी मिलता रहे और हमें भी महीने में 15 दिन पानी मिलता रहे।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मैने परसो या चौथ भी इस संबंध में पूरी डिटेल्ज दी है कि बौंद डिस्ट्रीब्यूटरी और आटा ग्रुप में बारि ा के दिनो में लगातार पानी चलता है।

वहां पर जुलाई, अगस्त और सितम्बर के महीने में पानी खुब चलता है। जैसा कि मैने बताया है, वैस्टर्न जमुना कैनाल में बारि ा के दिनो में ज्यादा पानी होता है। जब पानी यमुना में ज्यादा नही होगा तो उस एरिया में ज्यादा पानी देना संभव नही है। हमारे एरिया के बारे में ये कह रहे है कि वहां पर पानी ज्यादा आता है, उस बारे में मै इनको बताना चाहूंगा कि उस ऐरिया में भाखडा का पानी स्टोर करके आता है। यह पानी आज से नही बल्कि 1954 से जब से भाखडा नहर बनी है, तब से यही व्यवस्था चल रही है। इसके विपरीत यमुना का पानी दूसरे एरिया में 800 साल से चल रहा है जबकि उस समय सिरसा और हिसार में अकाल पडता था। (विघ्न) मै आपको बताना चाहता हूं कि इससे पहली सरकार में भी यही व्यवस्था थी। जब चोधरी देवी लाल जी मुख्य मंत्री थे, तब भी यही व्यवस्था थी। मै फिर स्थिती क्लियर करता हूं कि भाखा में पानी स्टोरेज करके आता है जबकि यमुना में बारि ा का पानी आता है। यमुना का पानी रोहतक, नारनौल, महेन्द्रगढ, भिवानी और सोनीपत जिलो में जाता है। जब बारि ा ज्यादा होगी तो इस एरिया को ज्यादा पानी मिलेगा और अगर बारि ा कम होगी तो कम पानी जाएगा। इस एरिया को यमुना का पानी दिसम्बर और जनवरी के महीने में लेने में दिक्कत होती है। हम जो पानी भाखडा स`ले सकते है वह बिल्कुल लेते है और कैरियर चैनल में जितना पानी आता है वह हम देते है।

चौधरी बलवन्त सिंह मैनाः अध्यक्ष महोदय, मै आपके माध्यम से मंत्री महोदय के नोटिस में लाना चाहता हूं कि वैस्टर्न यमना कैनाल की क्षमता 3700 क्यूसिक की हे लेकिन उसकी सफाई आदि न होने की वजह से अब उसकी क्षमता 1500 क्यूसिक की रह गयी है। मै मंत्री महोदय से जाननाप चाहूंगा कि क्या येइस नहर की सफाई आदि का प्रबंध करवाएंगे ताकि रोहतक, गुडगांव और महेन्द्रगढ को पानी मिल सके। इसके अलावा, जो नरवाना कैरियर चैनल है, इसके जरिये भाखडा का पानी वैस्टर्न जमुना कैनाल में डाला जाता है, इस चैनल की भी सफाई न हो की वजह से इसमें पानी कम आता है। मै चाहता हूं कि इसकी भी सफाई होनी चाहिए। मै समझता हूं कि इनकी सफाई न होने की वजह से रोहतक, महेन्द्रगढ और रेवाडी जिलो के साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है।

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, जैसे बलवन्त सिंह जी ने कहा है उस बारे में बताना चाहता हूं कि पिछले साल हमने सफाई करवाई थी। इस साल उसकी कपेसिटी 2 हजार क्यूसिक है। इस बारे में मैने बताया है कि 2700 क्यूसिक पानी हमने उसको दिया, यह मैक्सिमम कैपेसिटी है। अगर ब्रिम के ज्यादा उपर तक पानी नहर में चलेगा तो नहर के टूटने का डर है। स्पीकर साहब, जो ऐलिगे ान इन्होने लगाया है, वह बिल्कुल निराधार है, हम पानी उधर से नही लेंगे। सफाई हमने पिछले

साल भी करवाई थी और यदि दोबारा कोई दिक्कत आएगी तो इसको जल्दी ठीक करेंगे।

श्री किताब सिंहः स्पीकर साहब, आपके माध्यम से मै माननीय मंत्री जी से यह कहूंगा कि डबल्यू0 जे0 सी0 के बारे में जो इन्होने बताया है, वह ठीक नही। डब्लयू0 जे0 सी0 और भाखडा में से सोनीपत का जो एरिया लगता है, उसमें पानी कम है। भाखडा और डब्ल्यू0 जे0 सी0 के पानी में एक और साढे तीन का अनुपात है जो सही नही है। स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि क्या भाखडा कैनाल से सोनीपत एरिया को पर्याप्त पानी मिलेगा?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): अध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य इस मामले मे काफी उत्तेजित है। (विघ्न) यह बात ठीक है कि डब्ल्यू0 जे0 सी0 में कुछ कम पानी जाता है, जबकि भाखडा में कुछ ज्यादा जाता है, इसमें कोई दो राय नही है। अध्यक्ष महोदय, इस में आज की सरकार का कोई कसूर नही है। आप जानते है कि जब भाखडा डैम बना था तो चौधरी लहरी सिंह रोहतक जिले से थे। उनके टाईम में ही पानी का यह सारा मामला तय हुआ था और रोहतक और सोनीपत जिले से ताल्लुक रखते थे। अध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि जो सिस्टम उस समय से चला आ रहा है, क्या पानी का कोई एरिया आज उससे कट सकता है? उस एरिया में जो पानी की कमी है, उस को हम पूरा करने की कोि ा ा करेगे, लेकिन यह पानी पूरा तभी होगा जब

एस0 वाई0 एल0 बन कर तैयार होगी। एस0 वाई0 एल0 का पानी हम वहीं देंगे जहां उसकी जरुरत होगी। जहां पर पीने के पानी की दिक्कत है, भाखडा कैनाल से जितना पानी ले सकते है वह लेंगे। आप वि वास रखिये, आगे जो एस0 वाई0 एल0 का पानी मिलने वाला है, वह पानी वहां देंगे जहां इसकी जरुरत है।

श्री फुल चन्द मुलानाः अध्यक्ष महोदय, अभी मुख्य मंत्री जी ने बडी तफसील से बताते हुए उतर दिया है। मै आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि एस0 वाई0 एल0 का पानी कहां से जाएगा? अम्बाला, कुरुक्षेत्र और करनाल से वैस्टर्न जमुना कैनाल और यमुना का पानी जाता है लेकिन इनको सिंचाई के लिए पानी नही मिलता। नहर का पानी देने में हमारे जिलो के साथ यह डिस्पैंसरी है। हमारे जिले के साथ नहर का पानी नही लगता और सिंचाई के लिए जो टयूबवैल लगवाए गए थे, वे फेल हो गये है। एस0 आई0 टी0 सी0 ने जो टयूबवैल्ज सिंचाई के लिए लगाए थे, वे सारा सिस्टम फेल हो गया है। स्पीकर साहब, अगर दादूपूर नलवे नहर बन जाए तो अम्बाला और कुरुक्षेत्र जिलो को पानी मिल सकता है। मंत्री महोदय यह व्यवस्था कब तक करवा देंगे यह बताने की कृपा करें?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, मुलाना साहब ने पूछा कि अम्बाला को पानी कम मिलेगा और इन्होने दादुपूर और नलवी की बात भी कही। दादुपुर नलवी के बारे में जमुना का समझौता हो रहा था। एम0 ओ0 यू0 के बारे में कल भी यहां बात

हुई और उसी में ही दादुपूर नलवी का समाधान था। जब रेणुका बांध उपर बन जाएगा और समझौता हो जाएगा तो समझौता होने के बाद हथनी कुंछ बेराज बनेगा तो उस पर स्टोरेज होगा। उसमें यह प्रावधान था कि दादुपुर नलवी का समझौता होने के बाद 50 करोड रुपये वर्ल्ड बैंक देगा। दादुपुर नलवी एक ऐसी स्कीम है जो अम्बाला और कुरुक्षेत्र को सैराब करेगी, यह पानी भी देगी और साथ ही री–चार्जिंग भी करेगी। लेकिन यह तब होगा जब जमुना का फैसला हो जाएगा और उस पर डैम बन जाएगा। हथनी कुंड बैराज बनेगा तो ही आगे कार्यवाही होगी।

प्रो0 राम बिलास भार्मा: स्पीकर साहब, वैसे तो कल भी इस मुददे पर सारा सदन चिन्तित था, इसलिए इस मुददे पर आधा घण्टा चर्चा होनी चाहिए। अध्यक्ष महोदय, क्या सिंचाई मंत्री यह बताने की कृपा करेगे कि महेन्द्रगढ, नारनौल, अटेली, लोहारु, बाढडा और रोहतक जिलो में जो पीने के पानी की योजना है, वह कैनाल बेसड है? जमीन के नीचे का पानी का स्तर इतना नीचे चला गया है कि कुंए सूख गए है। इनके पास इस बारे में ि ाकायत भी आई है। तो वहा पर पीने के पानी की व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए, यह जो वैस्ट जमुना है, इस के पानी की अवेलिबिल्टी को नही बता रहे है, तो क्या पीने की जरुरत को पूरा करने के लिए भाखडा से उन इलाको में पानी देने का कोई प्रावधान करेंगे?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, पिछले दिनो महेन्द्रगढ, रिवाडी और नारनौल के इलाको में पीने के पानी की दिक्कत आई क्योंकि जमुना में पानी बिल्कुल कम था। जैसे मैने पहले भी कहा है, उस टाईम भाखडा में लिंक चैनल से लेकर जे0 एल0 एन0 में छः सौ, सात सौ क्यूसिक पानी डाला गया। सिर्फ पीने के लिए पानी उन तक पहुंचाया गया। जे0 एल0 एन0 के बारे में मैने पिछले जवाब मे भी कहा और कल परसो भी कहा कि जे0 एल0 एन0 अभी नान–परेनीयल है। नान–परेनीयल के बारे में आप जानते है वह सिर्फ बरसाती पानी लाती है। परेनीयल तब होगी जब एस0 वाई0 एल0 का पानी जे0 एल0 एन0 में आएगा। जे0 एल0 एन0 का पानी लोहारु, महेन्द्रगढ और नारनौल तीनो को मिलेगा। इन तीनो का पानी नान–परेनीयल है। जब वैस्ट यमुना कैनाल में पानी कम होता है तो हम भाखडा कैनाल से भी पानी देते है।

श्री अध्यक्षः नेहरा जी, आप यह बताए कि डब्लयू0 जे0 सी0 में तथा भाखडा कैनाल में सपेरेटली कितनी–कितनी सिल्टिंग परसन्टेज़ है?

चौधरी जगदी ा नेहराः अध्यक्ष महोदय, जैसा कि मैने पहले भी बताया कि भाखडा का पानी स्टोरेज होकर चलता है, उसमें जो मिटटी आती है वह जम जाती है इसलिए इसमें सारा जाला आता है। जो वैस्ट जमुना में जमुना का पानी आता है, स्टोरेज होकर नही आता है, वह सीधा आता है तो उस पानी में

मिटटी का परसंटेज काफी हाई होता है। आफ हैंड तो मै परसेन्टेज नही बता सकता, लेकिन इतना कह सकता हूं कि उसमें कम से कम 10–15 गुणा ज्यादा मिटटी आती है और इसी वजह से वैस्ट यमुना में सिल्ट जमा होता है।

चौधरी औम प्रका ा बेरीः अध्यक्ष महोदय, जैसा मुख्य मंत्री जी ने बताया कि रोहतक जिले के सिंचाई मंत्री होते थे, उन्होने यह स्कीम बनाई थीं। मै इनको बताना चाहता हूं और इनको पता भी है कि जिस वक्त चौधरी लहरी सिंह, प्रो0 भोर सिंह, चौधरी रिजक राम, वजीर थे या चौधरी रणबीर सिंह वजीर थे, उस वक्त वह स्कीम नही बनी थी ये सभी चारो लोग हरियाणा बनने से पहले सिंचाई मंत्री थे। यह तो 1976–77 मे रावी व्यास का पानी भाखडा कैनाल मे डाला जाने लगा है। और इसमें मुख्य मंत्री जी की चलती है सिंचाई मंत्री के बूते की बात नही है। खु ाकिस्मती से या बदकिस्मती से ये भाखडा सिस्टम एरिये के ही मुख्यमंत्री बनते आए है।इस कारण से मै मुख्य मंत्री जी से एक बात पूछना चाहूंगा कि जैसे भाखडा कैनाल सिस्टम से जहां सिंचाई होती है, वहां माह में 22 दिन नहर चलती है यानि सिरसा, हिसार व नरवाना मे एक माह में नहरी पानी 22 दिन मिलता है और हमारे इलाके में जहां पर वैस्टर्न जमुना सिस्टम है वहां पर एक माह में एक हफ्ता नहर चलती है ऐसा क्यों है? क्या मुख्य मंत्री जी यह भी आ वासन देगे कि वे कोई ऐसी व्यवस्था करेगे

ताकि हर जिले के अन्दर कम से कम दो हफ्ते सिंचाई का पानी मिले?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, ऐसा है कि यह आ वासन तो पानी की अवेलेबिलिटी पर दिया जा सकता है। यदि यमुना में पानी ज्यादा होगा तो पानी ज्यादा आएगा और यदि पानी कम होगा तो पानी कम आएगा। जहां तक इन्होने कहा कि भाखडा में पानी ज्यादा है और यमुना में कम है, तो यह बात तो मुख्यमंत्री जी ने भी कही है और इनको भी पता है कि भाखडा में पानी इसलिये ज्यादा है क्योंकि वहां पर पानी की स्टोरेज है। यमुना में पानी इसलिये कम है क्योंकि वहां पर जितना पानी आता है, वह ताजेवाला में ही डिस्ट्रीब्यूट हो जाता है। जहां तक साल में पानी के दिनो का सवाल है वह एक साल में भाखडा में 278 दिन और यमुना में 200 दिन आा है लेकिन उस साईड से जितना पानी आता है, वह हम देते है और भविश्य में भी जितना पानी अवेलेबल होगा, उतना हम देंगे। सरकार इस बारे में कोई भी कसर नही छोडेगी।

श्री राम पाल सिंह कंवरः स्पीकर साहब, जैसा मंत्री जी और मुख्य मंत्री जी ने हाउस को बताया है कि ऐसी कोई बात नही है कि हम भाखडा का पानी वैस्टर्न जमुना कैनाल में लाना नही चाहते। मै इस मामले में इनसे एक सवाल पूछना चाहता हूं कि नराना ब्राचं को बनाकर भाखडा का पानी यमुना मे लाने के बारे में क्या कार्यवाही कर रहे है। ओर क्या पंजाब गवर्नमैंट के

साथ कोई एग्रीमैंट हुआ है, अगर हुआ है तो वह कितने दिनो में इम्पलीमैंट कर दिया जायेगा ताकि इसमें पानी आ सके?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, यह सिस्टम जिस तरह पहले से चला आ रहा है, उसी तरह से आज भी चला आ रहा है।

श्री रामपाल सिंह कंवरः क्या रैनोवेट करने के लिए ऐग्रीमैंट हुआ है या नही?

चौधरी जगदी ा नेहराः स्पीकर साहब, रिपेयर और सफाई के लिए एग्रीमैंट हुआ है। हमने बी0 बी0 एम0 बी0 को दरख्वास्त दी है कि यह चैनल बन्द कर दिया जाए। हम इनकी रिपेयर करते है, जैसा कि मैने हाउस में पहले भी अर्ज किया कि पिछले साल हमने बी0 बी0 एम0 बी0 को लिखित रुप में दिया था कि पिछले सालो से भाखडा लिंक चैनल और दूसरे डबल्यू जे0 सी0 चैनल इस तरह के है जिनमें सफाई नही हुई है, टूटफूट भी उनमें है। हमने उनसे कहा था कि इनकी सफाई होनी चाहिए। इसके लिए हमने पंजाब गवर्नमैंट के पास एक करोड रुपये भी जमा करायें, तब पंजाब गवर्नमैंट ने उसको रिपेयर किया। जहां तक रिपेयर का सवाल है, अगर जरुरत पडी तो हम फिर से बी0 बी0 एम0 बी0 को कहकर इसको ठीक करवायेंगे?

Sitting up of 33 K.V. Power Station at Beri

***451. Chaudhri Om Parkash Beri:** Will the chief Minister be pleased to state-

(a) whether any sanction for setting up of a 33 K.V. Power Station at Village Jahazgarh in District Rohtak has ben given; and

(b) if so, the time by which the work on the said power station is likely to be started/completed?

मुख्य मंत्री, (चौधरी भजन लाल):

(क) हा, श्रीमान जी।

(ख) इस उपकेन्द्र पर कार्य वर्श 1993–94 के दौरान प्रारम्भ होना सम्भावित है और इसको पूरा होने में लगभग एक वर्श का समय लगेगा।

चौधरी औम प्रका ा बेरी: स्पीकर साहब, मेरी कांस्टीचुऐसी मे जहाजगढ सब स्टे ान है, उसमें बिजली की सप्लाई कलानौर से होती है। मेरे हल्के में किसी किस्म का उद्योग नही है, कोई फैक्ट्री नही है, कोई इंडस्ट्रीज नही है। मै मुख्य मंत्री जी की जानकारी के लिए बताना चाहूंगा कि वहां हर रोज भााम 6 बजे से रात 10 बजे तक और सुबह 5 बजे से 9 बजे तक बिजली की सप्लाई में कट लगा रहता है। स्पीकर साहब, आजकल वैसे ही परीक्षाएं चल रही है लेकिन बिजली की सप्लाई नही हो पा रही है। क्या मुख्य मंत्री जी इस बात का आ वासन देंगे कि यह बिजली का कट एकदम से समाप्त किया जाएगा? (इस समय श्री

उपाध्यक्ष पदासीन हुए) इसके अलावा कलानौर से जो बिजली की सप्लाई होने में प्राब्लम आती है, यह प्रोलम पिछले काफी अरसे से है, यह कोई आज की बात नही है, यह पुरानी प्रोब्लम है और इस प्रोब्लम को कलानौर में बहुत बडा ट्रांसफार्मर लगाकर के हल किया जा सकता है। क्या मुख्यमंत्री जी यह भी आ वासन देंगे कि जल्दी से जल्दी कलानौर में बहुत बडा ट्रांसफार्मर लगा दिया जायेगा और मेरे हल्के के अन्दर बिजली की सप्लाई में सुधार किया जाएगा? इसके अलावा, मेरे हलके की एक मांग यह भी है और बहुत से आफिसर्ज ने भी इस बात को जायज माना है कि अगर बेरी कांस्टीच्युएंसी में झज्जर से बिजली की सप्लाई कर दी जाये तो वहां बिजली की सप्लाई मैं काफी सुधार किया जा सकता है। क्या मुख्यमंत्री जी यह भी आ वासन देंगे कि कलानौर में बिजली की सप्लाई झज्जर से कर दी जायेगी?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, मै बेरी साहब की जानकार के लिए बताना चाहता हूं और उनको जानकर खु ी होगी कि बेरी में जो इस समय 7 एम0 बी0 ए0 का ट्रांसफार्मर लगा हुआ है, उसे बढाकर 10.3 एम0 बी0 ए0 करने जा रहे है। कलानौर में 8 एम0 बी0 ए0 से बढाकर 20 एम0 बी0 ए0 करने जा रहे है। झज्जर की क्षमता 20 एम0 बी0 ए0 और बढाने जा रहे है ताकि आने वाले समय में कोई दिक्कत न हो। बेरी में वाकई लोड ज्यादा है जिस वजह से कई दफा कट भी लगाना पडता है। 5–6

महीने के बाद इस इलाके में किसी प्रकार की ि ाकायत नही रहेगी।

श्री राजेन्द्र सिंह बिसलाः उपाध्यक्ष महोदय, मेरे वल्लभगढ विधानसभा क्षेत्र के लोगो की बहुत पुरानी डिमांड थी कि फतेहपुर बिलोच में 33 के0 वी0 का पावर स्टे ान बनाया जाए। मै मुख्यमंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि उन्होने आदे ा दिए और 33 के0 वी0 का पावर स्टे ान का काम चालू है और उस पर 80 प्रति ात काम हो चुका है। मै मुख्य मंत्री जी से निवेदन करुंगा कि बदरौला सब–स्टे ान है, उसमें सौ गांव लगते है। अधिकारियो ने प्रोपोजल भेजी है कि फतेहपुर बिलोच जहां सब–स्टे ान चालू होगा, क्या वहां एस0 डी0 ओ0 का आफिस भी भाद्रा खोला जाएगा? मै मुख्य मंत्री जी से निवेदन करुंगा कि सब–स्टे ान के साथ एस0 डी0 ओ0 फतेहपुर बिलोच में बैठने लगेगा तो लोगो को बहुत सुविधा होगी।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, जब सब–स्टे ान चालू हो जाएगा और जरुरत महसूस की गई कि यहां एस0 डी0 ओ0 का दफ्तर होना चाहिए तो जरुर खोल देंगे।

चौधरी बलवन्त सिंह मैनाः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल की पिछली सरकार के समय में रोहतक के अन्दर रनपुरा में 220 के0 वी0 का सब–स्टे ान मंजूर हुआ था। काम भाुरु हुआ और उसके बाद बन्द पडा है। क्या मुख्य मंत्री जी

बताएंगे कि इसको बनाने का सरकार का विचार है और बनाएंगे तो कब तक बनाएंगे?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, बेरी में 33 के0 वी0 पावर स्टे ान स्थापित करने का सवाल था। अगर ये हर प्र न का सवाल जवाब चाहते है तो जब आप बजट पर बोलेगे तो हम इसका जवाब तफसील से दे देंगे। हमारे सदन में इस काम को बंद करने का कोई सवाल ही नही है। उनहोने ही इस काम को बन्द किया होगा, मुझे इस बात का ज्ञान नही है।

श्री अमर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि बेरी साहब ने बताया कि हरियाणा में सभी जिलो में आजकल सुबह– ाम बिजली का कट लगता है। मै मुख्य मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा ि कइस बारे में सरकार ने तो कोई कट डिक्लेयर नही कर रखा। क्या हरियाणा स्टेट इलैक्ट्रीसिटी बोर्ड की व्यवस्था खराब है या सब–डिवीजन और हैड–क्वार्टर का स्टाफ इस बात को मैन्टेन नही कर रहा है। वहां वे लोग अपनी मनमानी कर रहे है या सरकार की ऐसी हिदायतें है।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, इस समय कोई कट नही है। बिजली हमारे पास सरप्लस हैै बिजली की कोई दिक्कत नही है और न ही इंडस्ट्रीज में कोई कट है। बीच में थोडा सा कट लगाया गया था, क्योंकि पीक लोड के समय मे एक लाइन सारा लोड ले सकती थी। इस प्रकार की प्रोब्लम की अगर

आपके नोटिस में आए कि अधिकारी जान–बूझकर करते है तो मेहरबानी करके हमारे नोटिस में लाएं।

श्री अमर सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, लाइट तो बडी डीम आ रही है जैसे ेल का दिया जल रहा हो।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, टू–फेस चलाते है। अगर थ्री–फे चलाएंगे तो लोग इंडस्ट्री चलाने लगते है।

चौधरी औम प्रका ा बेरीः जैसे अभी मुख्य मंत्री महोदय ने यह आ वासन दिया है कि कलानौर, झज्जर और बेरी के सब–स्टे ान की कैपेसिटी बढा दी है, इसके लिये उनका धन्यवाद। लेकिन मै एक बात उनके नोटिस में लाना चाहता हूं कि आज भी हमारे यहां पर कट है। बे ा कइस बारे में पता करवा लें, आज भी भााम को 6 बजे से लेकर रात को 10 बजे तक और सुबह 5 बजे से लेकर 9 बजे तक कट लगा हुआ है। आप बे ाक इस बात की इन्कवायरी करवा लें। अगर यह कट वहां पर पाया जाये तो इसके लिये इंस्ट्रक ान्ज जारी करवायें ताकि आईन्दा के लिये वहां पर कट न हो ताकि विधार्थियो को असुविधा न हो।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, इस समय प्रदे ा में कोई कट नही है। बेरी साहब अपने हल्के में एक हफ्ते से गये नही है। जब जायेगे तो इनका यह पता चलेगा कि अब वहा ंपर कोई कट नही है।

श्री कर्ण सिंह दलालः डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूं कि हमारे पलव हल्के में आज भी कट है। इसके अलावा, हमारे हल्के में, गावों मे जो ट्रांसफार्मज लगे हुए है, वहां पर अक्सर बिजली नही होती क्योंकि वहां से ट्रांसफार्मर चोरी हो जाते है ंजो 33 और 66 के0 वी0 के सब–स्टे ान पर ट्रांसफार्मर लगे हुए है, वह अधिकारियो की मिली भगत से चोरी हो जाते है, इसलिये बिजली नही मिलती। सरकार इस बारे में क्या कार्यवाही कर रही है, यह बताने की कृपा करेंगे?

चौधरी भजन लालः मेहरबानी करके आपको अगर उन चोरो के बार में कुछ जानकारी हो तो हमें बताने की कृपा करें। लेकिन मै एक बात बताना चाहता हूं कि ट्रांसफार्मर्ज कोई ऐसी चीज नही है जो चोरी की जा सके। हां, उसका कोई छोटा–मोटा सामान रात के अंधेरे में निकाल कर ले जा सकता है, इस बार में हम कुछ नही कह सकते लेकिन यह कहना कि ट्रांसफार्मर कही पर चोरी हो जाते है, यह ठीक नही है। अगर इनके नोटिस में कोई बात हो, तो कृप्या हमारे नोटिस में लाये लेकिन स्टेट में कही पर भी ऐसी बात नही है।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः उपाध्यक्ष महोदय, मै मुख्य मंत्री महोदय के ध्यान में एक बात लाते हुए पूछना चाहता हूं, जैसे कि इन्होने यह कहा कि कही पर भी कोई कट नही है, क्या इस बारे में जांच पडताल करवा लेगे? इनके अफसर साहेबान बैठे होंगे, उनसे पता करवा लेंगे। मेरे अपने हल्के में कट है और बाढडा,

सांजरवास, लोहारु वगैरह में भी कट है। आजकल सिंचाई के लिए भिवानी जिले को पानी देना, तो दूर की बात है, कम से कम उस जिले को बिजली तो दे सकते हो? बच्चो की पढाई के दिन है और रात को बिजली नही आती। बेचोर एग्जामिने ान की तैयारी करने से महरुम है। कृप्या इस तरफ ध्यान दें। मै यह कहता हूं कि अगर भिवानी जिले को पीने के लिये या सिंचाई के लिए पानी नही दे सकते तो न सही, लेकिन उन स्टुडेंटस की जिंदगी के साथ तो खिलवाड न करो, जिनके आजकल एग्जाम होने वाले है और आप कह रहे है कि बिजली का कोई कट नही है, जबकि वाकई वहां पर कट लगा हुआ है। सारे भिवानी जिले में ही कट लगा हुआ है। मुख्य मंत्री महोदय चाहे तो वैरीफाई कर ले लेकिन झूठे आंकडे देकर बच्चो की जिंदगी के साथ यह कहकर खिलवाड न करे कि कोई कट नही है जबकि वहां पर कट है?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, इन्ही के जिले के माननीय सदस्य श्री अमर सिंह जी ने यह कहा है कि बिजली तो आती है लेकिन डिम आती है। ऐसे होती है जैसे तेल का दिया जल रहा हों। इसका मतलब यह है कि वहां पर कोई कट नही है। आप ही देखिये, दोनो की बातो में फर्क हो गया। इनके सवाल का जवाब तो अमर सिंह जी ने दे दिया है कि बिजली आती है। इसलिये यह ऐसा न कहो कि बिजली आती ही नही है। (व्यवधान एवं भाोर) तकरीबन 10 दिन पहले हमने यह हिदायतें जारी कर दी है कोई कट नही होना चाहियें। पहले पहले हमने यह हिदायते

जारी कर दी है कि कोई कट नही होना चाहिये। पहले थोडा बहुत कही पर जो कट लगाया हुआ था, वह भी समापत होना चाहिये। इसलिये थोडा बहुत कहीं पर कट नही रहा है। आप कही पर भी जाकर देख लेना। आने वाले दिनो में जब आप अपने हल्को में वापिस जाओगे तो आपको पता चलेगा कि कोई कट नही है। अगर फिर भी कही पर कोई यह कहेगा कि फलां गाव के अन्दर इस टाईम बिजली नही थी, तो हम उस अधिकारी के खिलाफ एक ान लेंगे।

प्रो0 छतर सिंह चौहानः उपाध्यक्ष महोदय, सांजरवास सब–डिविजन में बोंदकला, बोंदखुर्द, सांवड, रानीला, ऊन, निम्डी और माल आते है। एक तारीख को यहा पर बिजली भाम के छः बजे से लेकर सारी रात तक नही रही। क्या मुख्य मंत्री जी इस बारे में इंक्वायरी करवाएंगे?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, वहां पर फयूज उड गया होगा।

चौधरी बलवंत सिंह मैनाः उपाध्यक्ष महोदय, ट्रांसफार्मर चोरी हो जाते है। इसी सै ान में पहले सप्ताह में मै रोहतक गया था वहां पर तिलक नगर के लोगो ने ि ाकायत की थी कि यहां का ट्रांसफार्मर चोरी हो गया है। जिसके कारण जिलक नगर और उसके आस पास की कालोनीज के लोग अंधेरे में बैठे रहे है।

पुलिस ने ट्रांसफार्मर की चोरी के बारे में कोई कार्यवाही नही की है। क्या यह मुख्य मंत्री जी के नोटिस में है?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, अगर ट्रांसफार्मर की चोरी हो जाए तो बकायदा वहां के अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह सब से पहले पुलिस में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराए अगर वह रिपोर्ट दर्ज नही कराएगा तो ट्रांसफार्मर की उसकी जिम्मेदारी हो जाएगी। उपाध्यक्ष महोदय, हमारे पास ट्रांसफार्मर्ज़ आजकल स्पेयर है। ज्यां ही ट्रांसफार्मर खराब होता है तो हम तीन दिन के अन्दर उसको बदल देते है। पहली सरकार की तरह से नही कि महीनो तक ट्रांसफार्मर नही बदला जाता था।

Setting up of 33 K.V Sub-Station at Uplana, Kond & Barsat

***481. Shri ram Pal Singh Kanwar:** Will the Chief Minister be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. for setting up 33 K.V. Sub-Station at village Uplana in Karnal District and at villages Kond and Barast in Gharaunds constituency; and

(b) if so, the time by which the aforesaid Sub-Stations are likely to be set up?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल):

(क) हां, श्रीमान जी।

(ख) गांव उपलाना तथा कोहनड में 33 के0 वी0 उपकेन्द्र स्थापित करने का प्रस्ताव तकनीकी रुप से न्याय–संगत नही है। हालांकि वर्श 1993–94 के दौरान गांव बरसत में 33 के0 वी0 उपकेन्द्र निर्माण करने की योजना है।

श्री राम पाल सिंह कंवरः मुख्य मंत्री जी ने बताया है कि बरसत के अन्दर 33 के0 वी0 का सब–स्टे ान बनाने की प्रोपोजल है। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेंगे कि वर्श 1993–94 में बनाने की केवल प्रोपोजल है अथवा काम भी भ्रुरु हो जाएगा?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, प्रोपोजल है और हमारी यही कोि ा ा है कि वर्श 1993–94 में इस पर काम भ्रुरु हो जाए।

साथी लहरी सिंहः उपाध्यक्ष महोदय, भााहबाद का एक बडा पावर स्टे ापन था और एक बबैन का पावर हाउस था जोकि 33 के0 वी0 से 66 के0 वी0 का बनना था और यह 31 दिसम्बर तक पूरा किया जाना था और बेरथली और जटलाना ये दोनो स्टे ान विचाराधीन थे। क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि इनकी क्या पोजी ान है?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, आप जानते है कि पैसे की कमी है और बिजली बोर्ड काफी घाटेमें है क्योंकि किसानो को सब–सीडाइज्ड रेट पर बिजली देनी पडती है और

उससे एक साल में 266 करोड रुपये का घाटा होता है। जितने चालू प्रोजैक्ट है जैसे 1992–93 में 220 के0 वी0 का भााहबाद में चालु किया है। 132 के0 वी0 का चन्दौली और असन्ध में तथा 66 के0 वी0 के दो चांदहट तथा भााहजानपुर तथा 33 के0 वी0 के पांच रोहतक, घरौंडा, करनाल, खोल और ऐंवला। ये हमने चालू किए है। जहां तक बबैन का ताल्लुक है, यह तीन चार महीने में कम्पलीट हो जाएगा।

श्री जय सिंहः क्या मुख्य मंत्री महोदय बताने की कृपा करेगे कि करनाल के अन्दर कितने नए 33 के0 वी0 के सब–स्टे ान स्थापित किए जा रहे है और कितनो का दर्जा बढाया जा रहा है?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, हमने 1992–93 के 220 के0 वी0 के दो स्टे ान करनाल और रेवाडी में बनाए है। 132 के0 वी0 के चौदह–रोहतक, निसिंग, डींग, नारनौल, रेवाडी, मधुबन, डबवाली, कोसली, नरवाना, मातनहेल, बावल, सम्भालखा, गढी और अटेली। इनकी हमने क्षमता बढाई है।

33 के0 वी0 के छः ओसवाल, फरीदाबाद, पल्ला, भादस, सोहना, छछरौली, हैदराबाद ऐबसडस फैक्टरी फरीदाबाद, 27 की हमने क्षमता बढाई है जिसमें कालांवाली घनोरी–एस, एच0 एम0 टी0, हिसार, कुंडली, बादडा, कैथल, जाखल, अडौली, चक्कू, लदाना, सिरसा, डींग, सांपला, बारना, सूरज, स्टील स्ट्रिप्स

सोनीपत, कनथाला, कुराला, ढानी, बडौदा, नांगल, सरोही, मुंढाल, हिसार और खानपुर। कुल 49 थे। दस स्टे ान हमने नए चालू किए है।

श्री रामपाल सिंह कंवरः उपाध्यक्ष महोदय, उपलाना गांव के बारे में यहा पर बताया गया कि 33 के0 वी0 उपकेन्द्र न्याय संगत नही है। वह मेरा अपना गांव है। वहां के लोगो को मुझ से कुछ उम्मीदें है। जब चौधरी देवीलाल जी की सरकार थी तो उस वक्त के बारे में ये लोग ढोल पीट रहे है कि हरियाण के इलाको में 24 घंटे बिजली दी गई थी लेकिन मै इनको बताना चाहता हूं कि असन्ध के इलाके में उस समय 6 से 8 घंटे से ज्यादा दिन में बिजली नही मिलती थी। अतः मै आपके माध्यम से सरकार से रिक्वैस्ट करुंगा कि चूंकि उपलाना मेरा नेटिव गांव है, वहां पर 33 के0 वी0 का एक सब स्टे ान बनाने का सरकार का विचार है लेकिन मुख्य मंत्री महोदय ने बताया कि कुछ टैक्नीकल कारणो से इस काम में देरी हो रही है। मै उन से जानना चाहता हूं कि जो टैक्नीकल कमी रहती है, उसको जल्दी ही दूर करके क्या उस 33 के0 वी0 सब स्टे ान को बनवाने का आ वासन देगें ताकि उस इलाके के लोगो को राहत मिल सके?

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, वैसे तो उपलाना के चारो ओर सब–स्टे ा नही सब–स्टे ान है। असन्ध में 132 के0 वी0 का सब–स्टे ान है, जलमाना में भी है। केवल उपलाना से 6–7 किलोमीटर का ही अंतर पडता है। अगर फिर भी उपलाना

मे किसी प्रकार की कोई दिक्कत पे ा आई तो उस दिक्कत को दूर करने का अव य ही प्रयत्न करेंगें।

श्री कृश्ण लालः डिप्टी स्पीकर साहब, पिछले चार दिनो से मेरे क्वे चन लग रहे है लेकिन जब भी मेरा नम्बर आता है तो कवै चन आवर खत्म हो जाता है। आप रिकार्ड मंगवा करके देख लें, क्वै चन आवर में पिछले चार दिनो से मुझे टाईम मिला ही नही है। हम तो चेयरमैन साहब से ही इसकी ि ाकायत कर सकते है। मै आपके माध्यम से चीफ मिनिस्टर साहब को बताना चाहता हूं कि जैसा कि इनके एक मैम्बर कंवर राम पाल सिंह जी ने कहा कि चौधरी देवी लाल जी के वक्तमें इनके हलके में केवल 6–7 घंटे ही दिन में बिजली मिलती थी, यह उनका आरोप बिल्कुल गलत है। चौधरी देवी लाल जी के वक्तमें सारे हरियाणा के अन्दर 24 घंटे बिजली एवं पानी की उपलब्धि लोगो को होती थी और लोग उस राज से बडे ही प्रसन्न थे। मै इनसे यह पूछना चाहता हूं कि असन्ध एरिया व मडलौडा जिला पानीपत में जो ब्लाक हैडक्वार्टर है और एक अच्छा कस्बा, भी है, वहां पर 25 साल पहले का एक पुराना सा 33 के0 वी0 सब स्टे ान लगा हुआ है, जिसके उपर अब बहुत ज्यादा लोड पडता है। क्या सरकार उस इलाके की दिक्कत को देखते हुए उस सब–स्टे ान को अपग्रेड करने का विचार रखती है?

चौधरी भजन लालः ठीक है, अगर सरकार कोई जरुरत महसूस करेगी तो वहां का ध्यान अव य रखा जाएगा।

Construction of a Approach Road

***462. Sh Krishan Lal:** Will the Minister for P.W.D (B&R) be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Govt. to construct a new approach road in village Kheri-Munkh in District Panipat; and

(b) if so, the time by which the said road is likely to be constructed?

लोक निर्माण मंत्री (चौधरी आनन्द सिंह डांगी):

(क) गांव खेडी मुनख में नई पहुंच सडक के निर्माण करने का तथा कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नही है।

(ख)

श्री कृश्ण लाल: उपाध्यक्ष महोदय, खेडी मनख जिला पानीपत में 90 प्रति ात हरिजन रहते है। 1991 के अन्दर जब वहां इलैक ान हुए थे तो उस गांव के लोगो ने वोट डालने का बहिश्कार किया था क्योकि गांव को जाने का कोई रास्ता नही था। और उन लोगो को हांसी ब्रांच की पटरी पर से होकर आना जाना पडता था। उस गांव में हरिजनो की मैजोरिटी है। इस बात को ध्यान में रखते हुए क्या सरकार उस गांव को लिंक रोड से जोडने का प्रयत्न करेगी? मंत्री जी ने कहा था कि वह मुनख खेडी गांव पहले ही लिंक रोड से जुडा हुआ है। मै कह रहा हूं कि नही। क्या सरकार इसकी जांच करवाएगी?

चौधरी आननद सिंह डांगीः उपाध्यक्ष महोदय, गांव खेडी एक डायरैक्टरी गांव है और लिंक द्वारा पहले ही मुनख बालरांगरां सडक से जुडा हुआ है। फिर भी, खेडी मुनख पुरबियां एक नान–डायरैक्टरी गांव है, जिसके लिये वर्श 1991 मे लोगो द्वारा एक मांग थी। इस सडक के निर्माण के लिये गांव खेडी मुनख पूरवियां से गगसीना–एचला सडक का 2.90 किलोमीटर लम्बाई के लिये 15.17 लाख रुपये की लागत का एक अनुमान सरकार को भेजा गया था, जो मार्च 1991 मे सरकार द्वारा अस्वीकृत होकर वापिस आ गया था। 1991 की जनगणना के अनुसार गांव खेडी मुनक पुरबियां की आबादी 600 है। इस लिंक सडक को बनाने का कोई प्रस्ताव नही है। सभी हरिजन बस्तिया, जहां हरिजनो की जनसंख्या 50 प्रति ात से अधिक है, पहले ही पक्की सडो से जोडी जा चुकी है। वर्श 1992–93 के वार्शिक प्लान में किसी भी अन्य हरिजन की बस्ती जो लिंक के लिये योग्य समझी जाती है, के लिये 5 लाख रुपये रखे हुए है।

श्री उपाध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज क्वै चन आवर समाप्त होता है।

नियम 45 के अधीन सदन की मेज पर रखे गए तारांकित प्र नो के लिखित उतर

Arms Licences

***519. Chaudhri Ajmat Khan, Chaudhri Birender Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state the names

and addresses of the persons to whom the license of Gun/Revolver were issued in Ferozpur Jhirka and Nuh Sub-Division of District Gurgaon and Palwal Sub-Division of District Faridabad during the period from 1st April, 1992 to date?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): इस सुचना को दि जाने में लगने वाले समय और श्रम के अनुरुप संभावी लाभ नही होगे?

Setting up of a I.T.I at Hassanpur

***487. Sh Ram Rattan:** Will the Minister of State for Industrial Training be pleased to state-

(a) whether there is any proposal under consideration of the Government to open a Industrial Training Institute at Hassanpur in District Faridabad; and

(b) is so, the time by which it is likely to be opened?

औद्योगिक प्र ि ाक्षण राज्य मंत्री (चौधरी तेजन्द्रपाल मान):

(क) हसनपुर (जिला फरीदाबाद) में औद्योगिक प्र ि ाक्षण संस्थान खोलने बारे कोई प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन नही है।

(ख) प्र न ही उत्पन्न नही होता।

Repair of Roads in Palwal

***493. Sh Karan Singh Dalal:** Will the Minister of State for Local Government be pleased to state-

(a) the total amount spend on the repair of various roads in the area of Municipal Committee, Palwal in the Year 1992 togetherwith the details thereof; and

(b) the total amount of grants given to Municipal Committee Palwal in the year 1992?

स्थानी भाासन राज्य मंत्री (चौधरी धर्मबीर गाबा):

(क) वर्श 1992–93 के दौरान 10.95 लाख रुपये 1/93 तक नगर पालिका पलवल के क्षेत्र में सडको की मुरम्मत पर खर्च किया गया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है:–

क्रमांक	सडक का विवरण
1	पक्की सडक नजदीक 'तिकोना पार्क'।
2	डब्ल्यू0 बी0 एम0 रोड नजदीक मकान श्री अ ाोक कुमार, चार मरला कालोनी पलवल।
3	वार्ड नं0 16 मे सीमेंट कंक्रीट की तीन सडके।
4	वार्ड नं0 12 मे सीमेंट कंक्रीट की 6 सडके।

5	वार्ड नं0 2 मे सीमेंट कंक्रीट की 7 सडके।
6	पलवल भाहर में सोहना रोड से सरकुलर रोड वाया जुडि ियल कम्बलैक्स के रिहाय ी मकानो तक सडक का पक्का करना।
7	पलवल भाहर में सोहना रोड से सरकुलर रोड वाया बरखण्डी मोहल्ला।
8	पलवल भाहर में पंचवटी (ाहरी हस्पताल) मैं पंचवटी मंदिर तक सडक पक्का करना।

(ख) वर्श 1992 में नगरपालिका, पलवल को दिये गये अनुदान का विवरण इस प्रकार है:—

क सं0	योजना का नाम	न0 पा0 को दिया गया अनुदान	स्वीकृति की तिथि
1	तदर्थ राजस्व अर्बन योजना	132800	26—3—92
2	विकास खर्च	68000	11—3—92

	कुल योग	200800	

Sale Proceeds of Trees

***502. Ch. Balwant Singh Maina:** Will the Minister for Forests be pleased to state the total amount, if any, of the sale proceeds of the trees given to the farmers during the period from July, 1991 to 31st January, 1993 under the scheme of half share of the sale proceeds of the tree planted on the Road and Canal side to the farmers in the State?

वन मंत्री (राव इन्द्रजीत सिंह): नियमो के अनुसार वृक्षो को दिया जाता है, बिक्री से प्राप्त आमदनी नही।

जुलाई, 1991 से 31–3–1992 तक 3178 पेड तथा 1–4–92 से 31–1–93 तक 2246 पेड किसानो को दिये गये है।

Extension of Songri Minor

***508. Sh. Ram Kumar Kalwal:** Will the Minister for Irrigation be pleased to state whether there is any proposal under consideration of the Govt. to extend the Songri Minor upto Kithana in district Kaithal; if so, the time by which the said minor is likely to be extended?

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): हां जी, कथित माईनर को पहले ही गांव किठाना तक बढा दिया गया है व निर्माण कर दिया गया है

Line losses in the State

***532. Ch. Birender Singh:** Will the Chief Minister be pleased to state the percentage of line losses occurred in the State during the period from July, 1991 to-date togetherwith steps taken or proposed to be reduce such losses?

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): हरियाणा राज्य बिजली बोर्ड में जुलाई, 1991 से मार्च 1992 तक लाईन लोसिज 27.34 प्रति ात तथा अप्रैल, 1992 से नवम्बर 1992 तक 24.8 प्रति ात हुए। लाईन लोसिज में कमी लाने के लिये निम्नलिखित कदम उठाये गये है:–

(1) वि ोश ध्यान देने योग्य नाजुक क्षेत्रो को पहचानने के लिए उर्जा आडिट स्कीम लागू करना।

(2) नये उपकेन्द्रो का निर्माण करना तथा वर्तमान उपकेन्द्रो की क्षमता में वृद्धि करना।

(3) एच0 टी0 एवं एल0 टी0 कैपेसीटरो की स्थापना करना।

(4) बिजली की चोरी को रोकने के लिए उपभोक्ताओ के अहातो पर गहन चैकिंग करना।

(5) एल0 टी0/एच0 टी0 लाईन की लम्बाई के अनुपात में कमी करना।

प्रो0 सम्पत सिंह के विरुद्ध विशे ाधिकार भंग का प्र न

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of question of breach of privilege given notice of by Sh. Mani Ram Keharwala, M.L.A against Prof. Sampat Singh M.L.A and leader of opposition for casting reflection on the impartiality of the Speaker and using derogatory remarks in his statement published in various newspapers of today, i.e. 4th March, 1993.

I give my consent to the raising of this question of privikege and hold that the matter proposed to be discussed is in order, and I now call upon sh.Mani ram Kecharwala, M.L.A to rise and ask for leave to raise the question of breach of privilege.

श्री मनी राम केहरवाला: डिप्टी स्पीकर साहब, आजादी के बाद इस दे ा के इतिहास में ऐसे बहुत कम मौके मिले है जब किसी सदस्य ने स्पीकर साहब जैसी सांझी पर्सनैलिटी के लिये कोई घटिया स्तर की बातें और पर्सनल इल्जाम लगाए हो। आजाद भारत में यह पहला मौका है। कल जो हमने सुना उससे बहुत अफसोस हुआ। इसलिये मै वि ोशाधिकार के प्र न पर सदन की अनुमति लेने के लिये अपना प्रस्ताव मूव करता हूं।

Sir, i beg to seek the leave of the House to raise the question of breach of privilege against Prof. Sampat Singh M.L.A and leader of opposition for casting reflection on the impartiality of the Speaker and using derogatory remarks in

his statement published in various newspapers of today i.e. 4th March, 1993.

Mr. Deputy Speaker: Has the Hon'ble Member, the leave of the House to raise the question of breah of privilege?

Voices: Yes.

Mr. Deputy Speaker: The leave is granted.

श्री वीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी आपसे मोहतबाना गुजारि ा है कि हाउस में कुछ बातें चल रही है, इसलिये हम आपसे गुजारि ा करेगे कि हमें मो ान मूव होने से पहले बोलने का मौका दिया जाए। अगर आपने मो ान मूव करने की इजाजत दे दी तो the whole purose will be lost.

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): मो ान मूव करने से पहले बोलने का कोई कायदा कानून ही नही है।

श्री वीरेन्द्र सिंहः मै कब कह रहा हूं कि कायदा कानून है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै प्रार्थना कर रहा हूं कि इससे पहले कि आप मो ान मूव करवाएं हमें बोलने का मौका दे दें। Technically it may not be right. लेकिन अगर मो ान मूव हो गई फिर तो मेरा परपज ही समाप्त हो जाएगा। इसलिये यदि आप कहे तो मै बोलू।

श्री उपाध्यक्षः अभी तो मो ान मूव नही हुई है। पहले मुझे मो ान मूव करने दें।

श्री वीरेन्द्र सिंह जी: ठीक है जी।

Mr. Deputy Speaker: Now Shri Mani Ram Keharwala, M.L.A may please move his motion to refer the matter to the Committee of Privileges.

Sh. Mani Ram Keharwala: Sir, i beg to move-

That the matter in regard to the casting of reflection on the impartiality of the Speaker and using derogatory remarks against him by Shri Sampat Singh M.L.A and leader of the opposition in his press statement published in various newspapers of today. i.e. 4th March, 1993 be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next session.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved-

That the matter in regard to the casting of reflection on the impartiality of the Speaker and using derogatory remarks against him by Shri Sampat Singh M.L.A and leader of the opposition in his press statement published in various newspapers of today. i.e. 4th March, 1993 be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next session.

श्री वीरेन्द्र सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, कल जो कुछ हुआ और जो बातें स्पीकर साहब की भाान में कही गई है, इन दि हीट आफ दि मूवमैंट उसके लिये हम सभी को खेद है। उसका लीडर औफ दि अपोजी ान को भी खेद है। हम सब की उनके साथ बात हुई है। इसलिये हमारी आपसे गुजारि ा है कि इस

नाखु ागवार माहौल को समाप्त किया जाए। यह बात ठीकहै कि ट्रेजरी बैंचिज की तरफ से प्रिविलेज मो ान आ गया। इसको हम नही रोक सकते। इनकी मैजोरिटी भी है और यह रुलिंग पार्टी भी है। यह मो ान इनकी तरफ से मूव हुआ है। इनकी मैजोरिटी है, इसलिये लीव भी ग्रांट हो गई। इसमें भी कोई दो राय नही है कि ठीक नही हुआ परन्तु मेरी आपसे गुजारि ाहै कि इस नाखु ागवार माहौल को समाप्त किया जाए और असैंबली एक अच्छे ढंग से अपनी कार्यवाही चलाए। जो बिकरिंग हो गई और स्पीकर साहब, की भाान में कोई गलत भाब्द निकल गया ..... (ाोर)

चौधरी भजन लालः उन्होने तो प्रैस कांफ्रैन्स बुला करके वे बातें कही है। (ाोर)

श्री वीरेन्द्र सिंहः यह बात ठीक है लेकिन बाद में लीडर आफ दि अपोजि ान जितने लोगो को कंटैक्ट कर सके किया और उनके सामने यह कहा कि वे उन बातो को विदड्रा करते है। (ाोर)

चौधरी भजन लालः वे सारी बातें अखबारो मे तो आ गई।

श्री वीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, आपसे और ट्रेजरी बैंचिज पर बैठे महानुभावो से मेरी रिक्वैस्ट है कि ऐसी अनप्लैजैंट बात हाउस में नही होनी चाहिये और आज से पहले

कभी ऐसी अनप्लैजेंट बात नही हुई कि लीडर आफ दी अपोजि ान को नेम किया गया हो। इसलिये मेरी गुजारि ा है कि हम इस बात को जितना जल्दी समाप्त कर सके, उतना ही अच्छा है। अगर लीडर आफ दी अपोजी ान हाउस में आ जाए और उन्होने स्पीकर साहब, की भाान मे ंजो कुछ कहा है, उसके लिए रिगरैट भाो कर दे और अपने भाब्द विदड्रा कर ले तो इसके बाद बाकी कोई बात नही रह जाती है। फिर इस प्रिविलेज मो ान का क्या फेट रह जाएगा? इसलिये डिप्टी स्पीकर साहब, मै आपसे गुजारि ा करुंगा कि लीडर आफ दी अपोजी ान को हाउस मे आने दिया जाए और वे हाउस में अपना खेद भी व्यक्त करेगे। उन्होने स्पीकर साहब की भाान में जो कुछ कहा है उसको विदड्रा भी करेगे ताकि जो बात हाउस में और प्रैस में आ गई वह सारी समापत हो जाए और जो 6 या 7 दिन का सै ान है, वह आराम से गुजार सके। यह मेरी आपसे गुजारि ा है।

श्री धीर पाल सिंहः आदरणीय डिप्टी स्पीकर साहब, कल हाउस में और हाउस से बाहर आदरणीय स्पीकर साहब की भाान मे विरोधी पक्ष के नेता द्वारा कुछ ऐसे भाब्दो का प्रयोग किया गया जिसे स्पीकर साहब को कश्ट हुआ। उस पार्टी का अध्यक्ष होने के नाते, मै इस बारे में खेद प्रकट करता हू और आपसे भी गुजारि ा करता हूं कि श्री संपत सिंह जी को यहां आने के लिये कहा जाये ताकि वे हाउसमें आकर, स्पीकर साहब की भाान में, हाउस में और हाउस से बाहर जिन भाब्दो का प्रयोग उन से, किन्ही कारणो से

हुआ है, उस पर वे खेद प्रकट कर सके। हम बिल्कुल ईमानदारी से चेयर की जब से हम हाउस में है, सम्मान देते रहे है और देते रहेगे। मै हाउस के नेता से अनुरोध करुंगा कि ये एक अच्छी परम्परा डाले और जो कुछ हो गया है, उस बारे मैने, पार्टी का अध्यक्ष होने के नाते, खेद भी प्रकट कर लिया है। अगर विरोधी पार्टी के नेता भी हाउस में खेद प्रकट कर लेंगे तो मै समझताहूं कि बाकी कोई चीज नही रहेगी। मै फिर से दोहराता हूं कि भविश्य में उन भाब्दो का दुबारा प्रयोग नही किया जायेगा, इस बारे में मै आपको वि वास दिलाता हूं। अतः मेरा आपसे व सदन के नेता से अनुरोध है कि उनको एक मौका जरुर दिया जाये। धन्यवाद।

प्रो0 राम बिलास भार्माः डिप्टी स्पीकर साहब, आज स्पीकर साहब ने सदन में बैठे हुए सभी प्रमुख लोगो को बुलाया और इस मामले को सुलझाने का एक प्रयास हुआ। जो प्रयास स्पीकर साहब की तरफ से हुआ उसको देखते हुए सरकार की तरफ से यह प्रिविलेज मो ान लोन की नौबत नही आनी चाहिये थी। अगर यह मो ान सत्ता पक्ष की तरफ से न आती तो हम समझते कि सत्ता पक्ष इस मामले में ईमानदार है। डिप्टी स्पीकर साहब, कई बार सदन मे ऐसी मूवमैंट्स आती है, भाव में, उत्तेजना में बहकर कुछ बात हो जाती है परनतु दुनिया में प चाताप और खेद से बढ कर कोई बात नही है, उस पर मिटटी डाली जाये। डिप्टी स्पीकर साहब, स्पीकर साहब के बारे में कुछ गलत भाब्दो

का प्रयोग विपक्ष के नेता द्वारा करना, उसके बारे में उस पार्टी के अध्यक्ष द्वारा खेद प्रकट करना और विपक्ष के नेता द्वारा सदन में आकर माफी मांगने और खेद प्रकट करने पर इस मामले को खत्म किया जा सकता है। इस बारे में मेरी आपके माध्यम से सदन के नेता से गुजारि ा है कि वे भी इसे अपना प्रैस्टिज न बनाये हरियाणा की असैम्बली बडे अच्छे ढंग से चल रही है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै गुजरात असैम्बली की बात बताना चाहता हूं। वहा पर विपक्ष के सारे सदस्यो को ने कर दिया गया, सस्पैंड कर दिया गया लेकिन अपेाजी ान के नेता को नेम या सस्पैंड नही किया गया। इसी प्रकार से पार्लियामैंट में 25 तारीख की घटना पर केन्द्रीय गृह मंत्रीने माफी मांगी। वहां पर तो सदन 3–3 बार एडजर्न हो जाता है। डिप्टी स्पीकर साहब, हरियाणा की असैम्बली की हिस्ट्री मे यह हमे ाा अच्छी बात रही है इसलिये सत्ता पक्ष इसको प्रस्टिज का इ ू न बनाए। इसलिये इन सारी बातो को ध्यान में रखते हुए सम्पत सिंह जी को हाउस में आकर माफी और खेद प्रकट करने का मौका दिया जाये। इस सम्बन्ध में उनकी पार्टी के अध्यक्ष चौधरी धीरपाल सिंह जी ने भी खेद प्रकट किया है। अतः मै चाहता हूं कि विरोधी पक्ष के नेता को खेद प्रकट करने का मौका दिया जाये ताकि इस प्रिविलेज मो ान की आव यकता न पडे। कल उन्होने उत्तेजना में आकर सदन में और सदन से बाहर कुछ कह दिया। बाद में उन्होने इस पर खेद प्रकट करने के लिये प्रैस के बन्धुओ को फोन भी किया। डिप्टी स्पीकर साहब, मेरी गुजारि ा है कि हम लोग यहां पर एक अच्छा

प्रेसिडैन्ट बनाए और कोई ऐसा कदम न उठाए इसलिये मै नेहरा साहब से रिकवैस्ट करुंगा ि कवे इस प्रिविलेज मो ान को विदड्रा कर लें।

श्री बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, कल हाउस में एक अन–प्लैजैन्ट बात हुई। चौधरी सम्पत सिंह जी ने स्पीकर साहब के बारे में 'नेम' करने के बाद, जो कुछ कहा स्पीकर साहब, ने उसको एक्सपंज करवा दिया था लेकिन चौधरी सम्पत ंसिंह जी ने बाद मे जो कुछ प्रैस में जा कर कहा, वह उनसे गलती हो गई लेकिन अगर वे सदन मे आ कर, अन–कण्डी ानल रिग्रेट भाो कर देते है तो मै समझता हूं उसके आगे कोई बात नही रह जाती। कत्ल के बाद भी तो राजीनामे हो ही जाते है। उपाध्यक्ष महोदय इस सारे मामले का प्रिविलेज कमेटी में देने के बाद भी रुलिंग पार्टी को कुछ खास मिलने वाला नही है, इससे कुछ नही होगा। अगर वे अन–कण्डी ानल रिग्रेट भाो कर देते है तो बात खत्म हो जाती है। मैने कल भी अध्यक्ष महोदय, से यह प्रार्थना की थी कि हाउस को ऐडजर्न करके सब मिलकर आपस में बात करके इसका कोई हल निकाल ले लेकिन मेरी बात कल मानी नही गई। सभी लोग हर रोज खबरे भी सुनते है और टी0 वी0 भी देखते है कि कितनी बार हाउस ऐडजर्न होते है। आज कोई खास बिजनैस भी नही है, इसलिये मेरी यह गुजारि ा है कि अगर कोई रास्ता निकल सकता है तो इस मो ान को एडोप्ट करने से पहले हाउस को ऐडजर्न करके इसको हल करने की कोि ा ा करनी चाहिये।

इसके लिए अगर आज ही मीटिंग की जरुरत हो तो आज ही कर ली जाए और इस मो ान को पैंडिंग रख लिया जाए। इस मामले को खत्म करने की कोि ा ा की जाए। चौधरी सम्पत सिंह जी ने स्पीकर साहब की गरिमा और भाान के खिलाफ जो कुछ कहा है, उसके लिये वे ऐपोलोजी टैण्डर कर दे और इस मामले को यही समाप्त कर दिया जाए। इसे आगे न बढाया जाये। यही मेरी रिक्वैस्ट है।

सिंचाई मंत्री (चौधरी जगदी ा नेहरा): डिप्टी स्पीकर साहब, कल हाउस में जो कुछ हुआ, वह बडी ही दु:खदायक बात थी। उस समय स्पीकर साहब ने हाउस को आर्डर में लाने की काफी कोि ा ा की। हमारे माननीय विपक्ष के सदस्य कल उसके बाद भी बोले, कादयान साहब भी बोले। हमारी तरफ से और मुख्य मंत्री जी की तरफ से भी विपक्ष को ज्यादा टाईम दिलाने की कोि ा ा की गई। सरकार की तरफ से हम सभी यह चाहते है कि हमारे विपक्ष के सदस्य बोले। अगर हम लोग यहां सदन में आपस में लडाई करेगे तो लोगो को इससे क्या मैसेज जाएगा? माननीय विपक्ष के लीडर ने कल बडी ही दुखदाई बातें कही। यहां हाउस में स्पीकर साहब, पर ऐसे इलजामन लगाए गए जो बिल्कुल नही लगाने चाहिये थे। कल जब हाउस खत्म हुआ तो चौधरी धीरपाल सिंह जी मुझे मिले। मैने उनसे कहा कि अगर हम लोग आपस में इस तरह से लडेंगे तो हाउस की कार्यवाही कैसे चलेगी? इन्होने कहा कि यह गलत हुआ है। स्पीकर साहब, ने कहा था कि

सारे लीडर्ज की मीटिंग बुला ली जाए और आज मीटिंग हुई भी थी। कल मुख्य मंत्री जी ने भी कहा था कि यह बात प्रैस में नही आनी चाहिए क्योंकि यहां हाउस में तो थोडे ही आदमी है लेकिन अगर प्रैस में छपा तो ये सारी बातें लाखो लोगो तक पहुंचेंगी। डिप्टी स्पीकर साहब, मै सदन का थोडा सा समय लूंगा। हमारे माननीय विपक्ष के लोगो ने भी इस बारे में काफी कुछ कहा है। स्पीकर साहब, के बारे में जो गलत बातें कही गई है, वे सारी बातें आनी चाहिए। (विघ्न) जो बात प्रैस में आई है, वही मै कहूंगा, अपने पास से कोई बात जोड कर नही कहूंगा। हिन्दुस्तान टाईम्ज अखबार है, इसकी सर्कुले ान संख्या 10–15 लाख होगा इसमें लिखा है:–

"Mr. Sampat Singh, who was first marshaled out of the House during the question hour, came to the lounge and made a seathing attach on the Speaker. Mr. Ishwar Singh. He called him not only a minion of the Chief Minister, but the one who provides shelter to the criminals in his constituency.

I have never seen such a mean and useless Speaker who serves only the interests of the Chief Minister and may not see such a man again", he declared."

श्री धीरपाल सिंह: डिप्टी स्पीकर साहब, मेरे से बात होने के बाद जहां जहां हमारा सम्पर्क हो पाया हमने प्रैस वालो को टेलीफोन किया। (ाोर एवं व्यवधान)

चौधरी जगदी ा नेहराः डिप्टी स्पीकर साहब, हमारी इनसे बात हुई थी कि अखबारो में यह सब नही आना चाहिए परन्तु फिर भी यह बात अखबारो में आ गई। (विघ्न) जब यह बातें सारे मुल्क में जाएगी तो स्पीकर साहब, का यहां बैठने का क्या औचित्य रह जाएगा? अगर कोई नया आदमी कहता तो अलग बात थी परन्तु वह हमारे बहुत पुराने मैम्बर है, लीडर आफ दि अपोजी ान है, उन्होने इस तरह की बात कही। जन संदे ा इन्ही का अखबार होने के बावजूद उसमें भी इस तरह की भार्मनाक बात आई है। यह खबर एक अखबार में नही, बल्कि मुल्क के कई अखबारो में छपी है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर यह एक बार की बात होती तो हम मानते लेकिन पिछले सै ान में भी ये लगातार ऐसी बातें करते रहे। स्पीकर साहब, ने संपत सिंह जी को एक बार नेम किया, दो बार किया। फिर हमने और मुख्य मंत्री जी ने उनको बुलाया और कहा कि आप डिस्क ान में हिस्सा लें, लेकिन कल जो बात हुई, उसका हमें भी दुख है। जनसंदे ा में जो बात आई, वह स्पीकर साहब, के अगेन्सट असप ार्न है। इसमें जो लिखा है, वह मे आपको बता देता हूं:– विधान सभा अध्यक्ष नियम व मर्यादा के अनुसार नही चलते है। वे केवल भजन रुपी रिपोर्ट के सहारे चल रहे है। उन्होने यह भी कहा है ''विधान सभा अध्यक्ष मुख्य मंत्री के सचिव एवं गनमैन जैसा बर्ताव कर रहे है। यह अध्यक्ष विधान सभा में ही नही, बाहर भी बदनाम है। अपने हल्के पुंडरी में इन पर बलात्कारियो को संरक्षण देने का आरोप लगा था। अब जनता मे इस भाख्स की कोई धाक नही।'' डिप्टी स्पीकर साहब,

अब आप ही बता दिजिए कि ये लोग, इस बारे में इस तरह की बातें आने के बाद भी उस भाख्स की बातो का प्लड कर रहे है इनकी बात तो मै मान सकता हूं लेकिन चौधरी वीरेन्द्र सिंह और चौधरी बंसी लाल जी पिछले 30–40 सालो में लेजिस्लेटर, एम0 पी0 और बडे बडे ओहदो पर रह चुके है, क्या ये बताएंगे कि ऐसी बात आने के बाद प्रिविलेज मो ान नही आना चाहिए। क्या यह भार्मनाक बात नही है? बी0 जे0 पी0 के लीडर श्री भार्मा जी को भी यह देखना चाहिए कि स्पीकर साहब के उपर अगर ऐसी बात आ जाए और प्रिविलेज मो ान भी न आए, तो क्या यहां पर स्पीकर साहब, के बैठने की बात जंचती है? क्या आप इनकी बातो व इनके कंडक्ट को ओ0 के0 करते है? हमने मुख्य मंत्री जी के साथ एक सीटिंग की थी और उसमें डिसीजन लिया था कि अगर संपत सिंह, स्पीकर साहब से इन सारी बातो के लिये लिखित रुप से माफी मांग ले ओर सदन में आकर भी माफी मांग ले, तो इससे स्पीकर साहब और इस हाउस का कुछ डेकोरम रहेगा। यदि ऐसी बाते किसी पेपर में छपी और किसी मे पूरी तरह से न छपी तो उनका क्या औचित्य रहेगा? मेरी विरोधी पक्ष के भाइयो से प्रार्थना है कि आप इस हाउस को ठीक ढंग से चलाएं और इस ढंग का जो कंडक्ट है उसको भौल्टर न दे। स्पीकर साहब, के अगेंस्ट जो बातें डैरोगेटरी कही गई है और इनके लिये जो प्रिविलेज मो ान आई है, उसको आप सब को सपोर्ट करना चाहिये ताकि हम मे से कोई सदस्य ऐसी बातें दोबारा स्पीकर साहब, की भाान में न कह

दे। इसलिये मेरी आपसे प्रार्थना है कि आप इस मो ान का समर्थन करें और संपत सिंह जी के कंडक्ट को कंडेम करें।

श्री सतबीर सिंह कादयानः डिप्टी स्पीकर साहब, कल की धटना के बारे में जो प्रिविलेज मो ान लाया गया है, इस पर मै यह कहूंगा कि कोई भी घटना एक पक्ष की तरफ से नही घटती। घटना का एक पूरा घटनाक्रम हुआ करता है। उस घटनाक्रम में चौधरी औम प्रका ा चौटाला का नाम लिया गया और चौधरी देवी लाल को कह दिया कि वे 1990 में मुख्य मंत्री थे। वे तो 1990 में मुख्य मंत्री थे ही नही। सवाल तो छोटा सा बौगस टिकटो का था। (विघ्न) जब इनके राज में एस0 सी0 एस0 अफसर बलात्कार करते है तो हो सकता है कि किसी कंडक्टर ने हमारे जमाने में भी बोगस टिकटे बेच दी होगी लेकिन उसमें हमने खुद तो चोरी नही की थी। जिस तरह से मुख्य मंत्री जी ने खुद रेप नही किया है, उसी तरह से हमने बोगस टिकटे नही बेची है। उपाध्यक्ष महोदय, सवाल सिर्फ इतना ही था कि उन भाब्दो को कार्यवाही से निकाल दिया जाये। इन भाब्दो को कार्यवाही से निकलवाने पर ही सत्ता पक्ष के नेता और विरोधी पक्ष के नेता के बीच कहा सुनी हो गयी। यह कहा सुनी इतनी हो गयी कि मुख्य मंत्री जी ने यहां तक कह दिया कि आप दोबारा से एम0 एल0 ए0 बनकर देख लें। अगर सत्ता पक्ष का नेता विरोधी पक्ष के नेता को इस तरह से कहेगा तो स्वाभाविक है, गुस्सा तो जरुर आयेगा। लेकिन उसके बाद स्पीकर साहब, ने उनको नेम किया और सदन

से बाहर भी निकाल दिया। मै समझता हूं कि यहां पर हर आदमी ने ऐलीगे ान लगाये है, कभी चौधरी भजन लाल ने, चौधरी औम प्रका ा चौटाला पर आरोग लगाए, तो कभी बंसी लाल जी ने चौधरी भजन लाल पर ऐलीगे ान लगाये। जब चौधरी भजन लाल चौधरी औम प्रका ा चौटाला पर ऐलीगे ांज लगाते है तो फिर हमें भी सही काउंटर ऐलीगे ान लगाने पडते है। इस तरह से सदन का टाईम वेस्ट होता रहता है। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा कहना यह है कि सभी सदस्यो को अपनी अपनी हैसियत में रहकर अपने अपनेपदो की भाोभा को बरकरार रखते हुए ठीक तरह से सदन को चलाना चाहिये। (विघ्न) प्रो0 सम्पत सिंह ने क्या कहा, क्या नही कहा और यह भी हो सकता है कि उन्होने कुछ कह दिया हो, लेकिन इसका मतलब यह नही है कि उनके खिलाफ प्रिविलेज मो ान लाया जाए। उपाध्यक्ष महोदय, मेरा आपसे फिर यह कहना है कि इस मो ान को वापस ले लिया जाए।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, यह मामला बेहद गंभीर है। हाउस में कई बार इस तरह की बातें हो जाया करती है लेकिन अगर ऐसी बातो के लिए हाउस में खेद प्रकट कर लिया जाए तो बात अलग है लेकिन सम्पत सिंह ने स्पीकर साहब, के खिलाफ जो कुछ कहा है, वह सारे मुल्क के अखबारो में छपा है। अभी नेहरा साहब ने दो एक अखबारो के नाम पढकर सुनाये लेकिन मै आपको और भी कई अखबारो के नाम पढकर सुनाता हू जिनमे सम्पत सिंह के बारे में छपा है। ये

अखबारे है टाईम्ज आफ इंडिया, दैनिक ट्रिब्यून, जन सन्दे ा, दी ट्रिब्यून, पट्रियाट, वीर प्रताप और हिन्दुस्तान टाईम्ज़ ये वे अखबार है जो सारे मुल्क मे जाते है। उपाध्यक्ष महोदय, अगर स्पीकर साहब की प्रतिश्ठा नही रहेगी तो क्या इस हरियाणा प्रदे ा की सोर दे ा में इज्जत रह जाएगी? क्या इस असैम्बली की और असैम्बली के मैम्बरो की इज्जत रह जाएगी? उपाध्यक्ष महोदय, एक बात सही है कि अपेाजी ान का होना भी इतना ही जरुरी है जितना कि सरकार का होना जरुरी है, सत्ता पक्ष का होना जरुरी है। माननीय सदस्य एक बात कहते है कि उन्होने भूल की है, इसलिये अब यह बात छोड देनी चाहिए। मै आपकी बात से सहमत हूं लेकिन इन्होने जो प्रैस में स्पीकर साहब, के खिलाफ कहा है, उसके लिये पहले इन्हे स्पीकर साहब, से लिखित रुप मे माफी मांगनी चाहिय और कहना चाहिये कि मुझे इस बार माफ कर दो, मै भविश्य में ऐसी बातें नही कहूंगा। इसके अलावा उनको हाउस में भी खडे होकर माफी मांगनी चाहिए और कहना चाहिये कि मेरा रोल ठीक नही था, इसलिये मुझे इस बात का खेद है और इसके लिये मै आपसे माफी मांगता हूं, उपाध्यक्ष महोदय, अगर वे इसके लिये तैयार हो जाते है तो मेरा आपसे निवेदन है और उनसे भी निवेदन है कि जिन्होने यह प्रस्ताव रखा है, वे इस प्रस्ताव को वापिस ले लें। लेकिन यह प्रस्ताव वापस तभी होगा जब वे स्पीकर साहब से माफी मांग लेंगै। उपाध्यक्ष महोदय, आप हाउस को एक घंटे के लिये एडजर्न कर दीजिये तब तक ये लीडर स्पीकर साहब से बात कर लेंगे। (विघ्न)

श्री अमर सिंह मक्कड: **** **** **** **** **** **** ****

श्री उपाध्यक्ष: मक्कड साहब ने जो कुछ कहा है उसको रिकार्ड न किया जाए। (विघ्न) मक्कड साहब आप बैठियें।

बैठक का स्थगन

11:00 बजे

श्री बंसी लाल: उपाध्यक्ष महोदय, जैसा अभी अपोजी ान के मैम्बर्ज ने कहा है तथा लीडर आफ दी हाउस ने भी माना है, इसलिये अब आप एक घंटे के लिये हाउस एडजर्न कर दें ताकि सब लोग बैठकर इस बारे में एक राय बना सके ओर कोई रास्ता निकल सके।

Mr. Deputy Speaker: Is it the sense of the House that the sitting of the House be adjourned for one hour?

आवाजें: ठीक है, जी।

Mr. Deputy Speaker: Now the House stands adjourned for one Hour and will meet at 12:00 noon.

(The House then adjourned and re-assembled at 12:00 noon.)

प्रो0 सम्पत सिंह के विरुद्ध वि ोशाधिकार भंग का प्र न

(पुनरारम्भ)

श्री उपाध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज अभी जो प्रिविलेज का मो ान हाउस के सामने है, उस पर एक घंटे की एडजर्नमैंट हुई थी। मै लीडर आफ दी हाउस से जानना चाहूंगा कि क्या कोई रास्ता निकला है, इस बारे में वह कुछ रो ानी डालने की कृपा करे।

श्री धीरपाल सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, चोधरी सम्पत सिंह तो हाउस में आ नही सकते। मै उनकी तरफ से हाउस में अन–कंडी ानल अपोलोजी टैंडर करता हूं। उसके बाद आपसे यह अनुरोध भी करता हूं कि जो प्रस्ताव मूव किया गया है, हाउस के नेता से कहकर उसको वापिस करायें। मै एक बार फिर विनती करुंगा कि हमारी चेयर में पूरी आस्था है, आस्था रहेगी लेकिन जो हल हाउस के नेता द्वारा कोई बात कहने की वजह से गर्मा गर्मी हो गयी उस माहौल को खत्म किया जाये। अगर सरकार यह चाहती है और बहुमत होने की वजह से विरोधी पक्ष की आवाज को दबाने की कोि ा ा करती है तो मै आपके माध्यम से सरकार से कहूंगा कि हमारी आवाज दबने वाली नही है। जो बात उचित होगी, हम उसको जरुर कहेंगे और जो जायज बात होगी, वह हाउस में और हाउस के बाहर भी जरुर कहेंगे।

प्रो0 राम बिलास भार्माः उपाध्यक्ष महोदय, जैसे कि सब को पता है, सदन मे जो विपक्ष के नेता है, उनको नेम किया हुआ है, वे सदन में आ नही सकते। उनकी पार्टी के अध्यक्ष चौधरी धीरपाल सिंह ने इस सदन मे ंस्पीकर के सम्मान मे जो बातें हुई

है, उनके लिये खेद प्रकट किया है। अन–कंडी ानल अपोलोजी टेंडर की है। वह इस महान सदन के सामने उनकी तरफ से आयी है। डिप्टी स्पीकर साहब, यह जो प चाताप है, उससे बढ कर सिविलाईज्ड सोसायटी में कोइ और प खताप नही होता। सदन के नेता ने भी यह कहा था कि इस बात पर बात हो सकती है। डिप्टी स्पीकर साहब, आप भी उन डैलीब्रे ानज में भाामिल थे इसलिये मै आपसे गुजारि ा करुंगा ि कइस सदन की गरिमा रेस्टोर होनी चाहिये। अब इस बात को लेकर सत्ता पक्ष के लोगो को जिद नही करनी चाहिये, सदन की गरिमा रैस्टोर करने में मदद करनी चाहिये और अपने बहुमत के आधार पर न अड कर उनको भी बडप्पन दिखाना चाहिये इसलिये वह उस प्रिविलेज मो ान को वापिस ले लें। सदन में विपक्ष के नेता के प्रति जो सस्पैं ान और नेमिंग हुई है, उसको रिवोक करके उनको वापिस बुलाया जाना चाहिये ताकि सदन की कार्यवाही सुचारु रुप से चल सके।

श्री वीरेन्द्र सिंहः डिप्टी स्पीकर साहब, धीरपाल सिंह जी इस प्रदे ा की एस0 जे0 पी0 के प्रधान है। उन्होने चौधरी सम्पत सिंह जी की ओर से उनके बिहाफ पर अन–कंडी ानलन अपोलोजी टैंडर कर दी है। जब प्रैजीडैंट आफ दी पार्टी बोले तो वह सभी मैम्बरान की ओर से होता है। अब उस ग्रुप/पार्टी ने अन–कंडी ानल अपोलोजी टैंडर कर दी है। कोई बात स्पीकर साहब, साहब के सम्मान के खिलाफ, आन दी हीट आफ दी मोमैंट

कही गयी है और अन–कंडी ानल अपोलोजी टैंडर होने के बाद, मै नही समझता कोई बात बच जाती है। स्पीकर साहब, का हम सभी आदर करते है और चौधरी बंसी लाल जी भी, जो 12 लोगो के ग्रुप के नेता है आदर करते है। (व्यवधान एवं भाोर) ये काफी सीनियर व्यक्तिहै और इस प्रदे ा के 8 साल तक मुख्य मंत्री भी रहे है और 18 साल तक पार्लियामैंट में भी रहे है। कोई बात, स्पीकर साहब की भाान के खिलाफ कभी भी, उनके मुहं से नही निकली है। श्री राम बिलास भार्मा जी के मुहं से भी चेयर की भाान के खिलाफ कोई बात नही निकली। आपने जब भी मुझे मौका दिया तो मेरे मुहं से भी कभी एक भाब्द भी स्पीकर साहब की भाान के खिलाफ नही निकला और इन्टैं ान यहां भी नही थी। अगर इन दि हीट आफ मोमैंट कुछ हो जाए तो इतनी जिद नही पकडनी चाहिए। ट्रेजरी बैंचिज को इसके लिये इतना तूल नही देना चाहिये कि वह टूट जाए। कौन सी समस्या है जो हल नही हो सकती? श्री नरसिम्हा राव जो दे ा के प्रधान मंत्री है, उन्होने जब अपना काम सम्भाला और दे ा की बागडोर सम्भाली तो पोलिटिकल सैन्सज़ और डिप्लोमेसी से काम लिया। इस प्रदे ा की जितनी चिंता ट्रेजरी बैन्चिज को है, उतनी ही हमको भी है। सब को बराबर की चिंता है और उसी चिंता को हम इस सदन मे उजागर करते है। प्रदे ा की समस्याओ को इसलिये हम सदन में रखते है ताकि ट्रेंजरी बैंन्चिज के सदस्यो के नोटिस में अगर कोई बात नही है तो हम उनके नोटिस में ले आए और बताये कि प्रदे ा की भलाई इसमें है। ट्रेंजरी बैन्चिज के लोग इसको माने

या न माने, उन पर चले या न चले। पांच साल के बाद जनता फैसला करती है। अगर जनता को ट्रेजरी बैन्चिज की बातें ठीक लगती है तो दुबारा जनता उनको चुनकर भेज देती है और अगर ठीक नही लगती तो दूसरी सरकार आ जाती है। अगर कोई बात टूट जाए तो यह अच्छी बात नही है। बजट की डेलीब्रे ांजन होनी है। उपाध्यक्ष महोदय, बजट मोस्ट इम्पोरटैंट आइटम है और हम इसको डिस्कस करने जा रहे है। अगर इस मौके पर लीडर आफ दि अपोजी ान अपने विचार न रखे, चाहे ट्रेजरी बैन्चिज के सदस्य उन विचारो को माने या न माने, तो यह बहुत बडी कमी रह जाएगी। इस वक्त 1992–93 को सै ान बजट चल रहा है। इसलिये मै गुजारि ा करुंगा कि इस बात को ज्यादा तूल न दिया जाए और इसको यही ंपर समाप्त कर दिया जाए ताकि सुचारु रुप से और बढिया ढंग से इस बजट सै ान का काम हो सके।

श्री बंसी लाल (तो ाम): उपाध्यक्ष महोदय, आज श्री धीरपाल सिंह जी ने, जो इस प्रदे ा की एस0 जे0 पी0 पार्टी के अध्यक्ष है, उन्होने चौधरी सम्पत सिंह, लीडर आफ दि अपोजी ान के कहने पर, सदन के सामने, अध्यक्ष के खिलाफ जो कुछ कहा गया, उसके लिये अनकंडि ानल अपोलोजी टैन्डर कर दी है। मै समझता हूं कि अनकंडी ानल अपेालोजी टैन्डर करने के बाद कोई बात बाकी नही बचती। लोक सभा में और राज्य सभा मे मैने देखा है कि कोई सदस्य नेम ही नही होता, इत्तफाक से कभी कोई हो गया, तो हो गया, लेकिन अपोलोजी टेन्डर करने के बाद, साधारण

अपोलोजी टेन्डर करने के बाद तो कोई बात नही बचती। आज हमारी बात का अभी ब्रैक डाउन हो गया, हमने तो यह कहा था कि चौधरी सम्पत सिंह हाउस में आएंगे और अनकंडी ान अपोलोजी टेन्डर कर देंगे। उसके बाद स्पीकर साहब, के चैम्बर में प्रैस को बुला लिया जाएगा और स्पीकर साहब, और प्रैस के सामने अनकंडी ानल अपोलोजी टेन्डर कर ली जाएगी। मगर सत्ता पक्ष का और स्पीकर साहब का कहना यह था कि लिखित रुप में अपोलोजी करे। उपाध्यक्ष महोदय, मै नही समझता कि लिखकर अपोलोजी टैन्डर करना और कहने मे कोई फर्क है, यह बात मेरी समझ मे नही आती। उपाध्यक्ष महोदय, आपके सामने स्पीकर साहब ने यह माना कि लिखित रुप मे देने और कहने में कोई फर्क नही है। तो यह बात मेरी समझ मे नही आती कि लिखकर देने और जबानी कहने में, जब अध्यक्ष महोदय भी कोई फर्क नही मानते तो फिर कहने वाली बात को मन्जूर करने में एतराज क्या है? उपाध्यक्ष महोदय, इस मामले को थोडा सा इधर उधर नाक का सवाल बनाकर यह कहना कि इसको हम प्रिविलेज कमेटी को भेजेंगे, यह ठीक बात नही है। यह इनकी तरफ से थोडी सी ज्यादती हो रही है। मै तो यही प्रार्थना करुंगा कि ब्रीच आफ प्रिविलेज का मो ान विदड्रा कर लें ओर चोधरी सम्पत सिंह को हाउस मे बुला लें और जो भी वह कहना चाहेगे, वह कह लेंगे। इससे ज्यादा बात और कोई नही हो सकती।

मुख्य मंत्री (चौधरी भजन लाल): उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी बडे ही सीनियर मैम्बर है, चौधरी वीरेन्द्र सिंह जी काबिल वकील भी है, धीरपाल सिंह जी, राम बिलास भार्मा जी भी सीनियर सदस्य है। सभी सुलझे हुए पार्लियामैंटेरियन है। जितने भी दूसरे इस हाउस के सदस्य है, हम उन सब का आदर करते है। उपाध्यक्ष महोदय, सुबह इसी सिलसिले में मीटिंग भी हुई थी लेकिन कोई बात सिरे न चढ सकी। सुबह बोलते हुए चौधरी बसी लाल जी ने भी कह दिया कि हाउस को एक घंटे के लिये एडजर्न कर दिया जाए ओर हम इस मसले को बातचीत से ठीक कर देंगे। यह भी उन्होने कहा कि सम्पत सिंह जी के बीहाफ पर उनके लीडर ने तो अन–कंडी ानल माफी मांग ली है। बात काफी बडी है इसमें कोई दो राय नही है लेकिन उन्होने क्या किया, प्रैस कांफ्रेस बुलाकर कल हाउस के सारे हालात के बारे में प्रैस वालो को कहा, जो सभी अखबारो में आई है। उपाध्यक्ष महोदय, आपको पता है कल यहां हमारे लिये हाउस में बैठना मु ि कल हो गया था। उन्होने हरियाणा विधान सभा के माननीय अध्यक्ष के बारे में तरह तरह के भाब्द कहे। इस हाउस के माननीय अध्यक्ष के बारे में लीडर आफ दि अपोजी ान, पता नही कैसे कैसे भाब्द कहे और यह सब कुछ प्रैस के अन्दर आ जाए तो हमें बिल्कुल नाकाबले बर्दा त होगा। हाउस में अगर कुछ कहते तो और बात थी, लेकिन जो बाते बाहर आ गई है, अखबारो में छपी है और आपको पता है कि अखबार सारे मुल्क के अन्दर जाते है। जब ये सारी बातें अखबारो के द्वारा सारे मुल्क के अन्दर फैल

जाए, फिर भी वे लिखित रुप से माफी न मांगे तो यह बात जमती नही कि उन्होने माफी मांग ली है। बिना लिखित माफी के, हम किसी हालत में भी यह मानने के लिये तैयार नही है।हम मानते है कि प्रजातंत्र में अपोजी ान का होना अत्यन्त जरुरी है और उतना ही सरकार का होना भी जरुरी है, लेकिन प्रजातंत्र के अन्दर कुछ मर्यादाएं होती है, कुछ सिद्धांत होते है जिनके अनुसार हाउस मै बोलना चाहिये, जिनके उपर मुल्क चलता है, प्रदे ा चलता है। चौधरी बंसी लाल जी ने बोलते हुए यह भी कह दिया कि राज्यसभा व लोकसभा मेंं किसी को कभी नेम नही किया गया। उपाध्यक्ष महोदय, मै भी लोक सभा का सदस्य रहा हूं, मिनिस्टर भी रहा हूं और राज्यसभा में भी रहा हूं,लेकिन वहां पर कभी किसी ने स्पीकर के खिलाफ कुछ नही कहा। चेयर के खिलाफ कोई सदस्य एक भाब्द भी नही कहता। अगर कोई कहता भी है तो नेम भी होगी ही। ऐसा जरुर होता है कि अगर किसी बात को लेकर कोई हंगामा हो जाए तो हाउस आधा दिन, एक या दो घण्टे के लिये, या फिर सारे दिन के लिये एडजर्न हो जाता है लेकिन यहां मसला दूसरा है। उनके प्रैस कांफ्रैंस करने के बाद यह मसला सारे मुल्क का मसला हो गया है और प्रैस में कही हुई बाते सभी अखबारो में छपी है। जैसा कि मैने पहले कहा कि अखबार सारे मुल्क के अन्दर गये है इसलिये इन बातो को मददेनजर रखते हुए जब तक वे लिखित रुप से माफी नही मांगते, तक तक हमारे लिये उनकी कोई बात मानना मु कल है। इसलिये हमारे पास कोई

और चारा नही है कि हम उनके खिलाफ प्रिविलेज मो ान ले कर न आए।

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, बात सारी हो गई थी। अब तो यूही बात को आगे बढाने की कोि ा ा की जा रही है। अच्छी बात होती कि ये हमारी पार्टी के प्रधान की बात को मान लेते और अपने फैसले पर पुनर्विचार करते (ाोर)।

चौधरी भजन लालः उपाध्यक्ष महोदय, चौधरी बंसी लाल जी ने कहा है कि लिखने में और जबानी कहने में कोई फर्क नही है। जब तक वे लिखित रुप से हमें नही देते, हमें पूरा ऐतराज है। यह सारी बाते रिकार्ड पर होनी चाहियें।

श्री सतबीर सिंह कादयानः उपाध्यक्ष महोदय, यह तो डराने धमकाने वाली बात हो गई है।

वाक आउट

श्री बंसी लालः उपाध्यक्ष महोदय, अगर सत्ता पक्ष इस बात पर आमदा है कि यह मसला प्रिविलेज कमेटी को भेजना ही है तो हम तो कम से कम इस मो ान को पास करवाने में किसी प्रकार की पार्टी नही बनेंगे। इसलिये हम ऐज ए प्रोटैस्ट इसके विरोध में वाक–आउट करते है।

(इस समय चौधरी बंसी लाल तथा उनकी पार्टी के उपस्थित सदस्य तथा जनता पार्टी, जनता दल तथा भारतीय जनता पार्टी के सभी उपस्थित सदस्यगण सदन से वाक–आउट कर गये।)

वि ोशाधिकार भंग का प्र न (पुनरारम्भ)

Mr. Deputy Speaker: Question is-

That the matter in regard to the casting of reflection on the impartiality of the Speaker and using derogatory remarks against him by Shri Sampat Singh, M.L.A and leader of the opposition in his press statement published in various newspapers of today, i.e. 4th March, 1993 be referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next session.

The motion was carried.

Mr. Deputy Speaker: The matter is referred to the Committee of Privileges for examination and report by the first sitting of the next session.

राज्यपाल से संदे ा

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, there is a letter from the Governor on the address of Hon'ble Speaker, which reads as under:-

"I write to acknowledge with thanks the recipt of your demi-official letter No. HVS-LA-36/93/4676 dated 1st March, 1993 forwarding a copy of the 'Motion of thanks] passed by the Haryana Vidhan sabha on 1st March, 1993. I

shall be grateful, if you could kindly convery my sincere thanks to the Hon'ble members of the Haryana Vidhan Sabha."

ध्यानाकर्शण प्रस्ताव–

पलवल भाहर के आस पास स्थापित की जा रही नई औद्योगिक इकाईयो और दुग्धसंयंत्र द्वारा प्रदूशण की पालना न करने सम्बन्धी।

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, I have received a notice of calling attention motion given notice of by Shri Karan Singh Dalal, M.L.A regarding non-observing the pollution rules by the new industrial units and milk plants being set up around Palwal City. I admit it. Shri Karan Singh Dalal may please read his notice.

He is not present. So it is not put before the House.

गैर–सरकार संकल्प

ि ाक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने तथा परीक्षओ में नकल करने की बुराई का उन्मूलन करने सम्बन्धी।

Mr. Deputy Speaker: Hon'ble Members, now Shri Mani Ram Keharwala, M.L.A will move his resolution.

Shri Mani Ram Keharwala: Sir, I beg to move-

This House recommends to the State Government to take appropriate steps to improve the system of education in order to make it job oriented.

This House further recommends that immediate necessary action may be taken by the State Government to eradicate the evil of copying in examinations in the State.

Mr. Deputy Speaker: Motion moved-

This House recommends to the State Government to take appropriate steps to improve the system of education in order to make it job oriented.

This House further recommends that immediate necessary action may be taken by the State Government to eradicate the evil of copying in examinations in the State.

श्री मनी राम केहरवाला (ऐलनाबाद): डिप्टी स्पीकर साहब, आपका बहुत धन्यवाद। मेरा जो रैजोल्यू ान है वह ि ाक्षा के सिस्टम के बारे में है। ि ाक्षा का सिस्टम लार्ड मैकाले ने 1933 में लागू किया था। यह बडे सौभाग्य की बात है कि जब जब भी हमारे हरियाणा की बागडोर आदरणीय चौधरी भजन लाल जी के हाथो में आई है तब तब ि ाक्षा के मामले में काफी सुधार होता रहा है। वह जमाना भी था जब इस हरियाणा के मुख्य मंत्री ऐसे लोग भी रहे जो अपने मकान में चिडिया को भी नही जाने देते थे और ऐसे मुख्य मंत्री भी रहे है जो इंसानो को डंगर कहते थे। लेकिन यह हरियाणा का सौभाग्य है और हमारी भाान की बात है कि जब जब भी हरियाणा में लोकतंत्र की पटरी पर से गाडी उतरी है, तब तब कांग्रेस का भाासन यहां आया और कांग्रेस के भाासन में हमारे महान नेता चौधरी भजन लाल जी जैसो ने इस प्रदे ा की भाासन की बागडोर सम्भाली। इन्होने भाासन की बागडोर

सम्भालने के बाद ि ाक्षा के स्तर में काफी सुधार किया है। दूसरे प्रदे ाो के मुकाबलने में हमारे प्रदे ा में ि ाक्षा की नीति बहुत अच्छे सुधार की तरफ चल रही है। मै इस बात को मानने को तैयार हू। हमारे प्रदे ा के अन्दर हमारी ि ाक्षा बहन भाांति राठी जी ने दो दो और अढाई किलोमीटर के फासले पर स्कूलो का इंतजाम कर रखा है। लेकिन उपाध्यक्ष महोदय मै एक बपात कहना चाहूंगा कि हमारी ि ाक्षा मे जो चरित्र की बात है, एक इख्लाक की बात है ओर वह आहिस्ता आहिस्ता कम होती जा रही है। कोई जमाना था जब हम ि ाक्षा के मामले में बहुत पिछडे हुए थे लेकिन उस समय गावो के लोगो को इख्लाक था। अनपढ होते हुए भी लोग एक दूसरे के दुख सुख में भाामिल होते थे। पूरी तरह से लोग एक दूसरे को सहयोग देते थे। एक दूसरे के दुख दर्द में हाथ बांटते थे हालांकि अनपढ होते थे लेनि वे एक दूसरे के दुख दर्द में सहयोग देते थे। आहिस्ता आहिस्ता ि ाक्षा की नीति आई और कुछ स्वार्थ की भावना, कुछ खुदगर्जी की भावना लोगो में आई। आज हालात यह है कि यदि भाहर में किसी की मौत हो जाती है तो उसकी अर्थी को कंधा देने वाला नही मिलता है। यह सब स्वार्थ की बात है। किसी जमाने में यह दे ा ऋशि मुनिया का दे ा था। इस दे ा में साधु संत हुए है। हमारे दे ा को जो कल्चर है, हमारे दे ा की जो पुरानी बेसिक बात है वह वैदांतकि है, गीता पर आधारित है ओर रामायण पर आधारित है लेकिन आज हम देख रहे है कि वे सारी बाते नीचे धकेल दी गई है और हर मामले में स्वार्थ की बात नजर आ रही है। मै समझता

हूं कि इसमें थोडा सुधार लाने की आव यकता है। स्कूलो में क्लासिज के अन्दर चरित्र निर्माण की सब्जैक्ट होना चाहिए और प्राइमरी स्टेज पर ही यह बात होनी चाहिए। आज हम भाान से कह सकते है कि हिन्दुस्तान में सारी दुनिया के अन्दर एक बहुत बडा लोकतंत्र है। यह लोकतंत्र किसी से खैरात में नही मिला। इस लोकतंत्र के लिए इस दे ा के बहुत बडे बडे लोगो ने कुर्बानियां दी है। बहुत बडे बडे महान नेताओ ने इसको अपने खुन पसीने से सींचा था तब जा कर लोकतंत्र आया था। आज हरियाणा में ही नही बल्कि सारे दे ा में धर्म की बात और जात पात की बात है फिरकापरस्ती की बात है तथा भाशा की बात है। वह इस दे ा के लिए और हरियाणा प्रान्त के लिए कोई अच्छी बात नही है। हमारे दे ा की आजादी के लिए गांधी जी, इन्दिरा जी, नेहरु जी, सरदार भगत सिंह और सुभाश जैसे महान नेताओ ने कर्बानियां दी थी। उनका स्वप्न था कि हमारी आने वाली पीढी, आने वाला दे ा एक महान दे ा होना चाहिए। इस दे ा की महानता कायम रहनी चाहिए लेकिन आज हो क्या रहा है? आहिस्ता आहिस्ता इस दे ा के अन्दर जात पात की राजनीति चल रही है। गांधी जी ने लोगो को वाट की ताकत दी थी। 21 साल के भाई बहन चाहे वे सडक पर सोते हो, चाहे महलो में रहते हो, रानी, महारानी और रंक सबको बराबर का हक दिया था लेकिन बाद में वोट के हक की उम्र 18 साल की गई थी ताकि इस दे ा की तकदी का फैसला आम आदमी कर सके लेकिन बदकिस्मती है कि इस दे ा को ऐसे ऐसे नेता मिले है जो कहते है कि आप हमें वोट दो हम आपका

कर्जा माफ कर देंगे, हम आपका अयोध्या का मंदिर बना देंगे। जो राजनीतिक आदमी है, उसको थोडा बहुत सामाजिक भी रहना चाहिए। उसको यह भी देखना चाहिए कि ऐसी बात कहने से उसको वोट तो मिल जाएगा लेकिन दे ा और प्रदे ा का कितना नुक्सान होगा। क्या यह कभी सोचा है? इसलिये हमें सामाजिक भी होना चाहिए। इस बात से हमें नुकसान हो रहा है। इस दे ा में 36 बिरादरी के लोग रहते है, अनेक धर्मो के लोग रहते है, अनेक जातियो के लोग रहते है, अनेक भाशाओ के लोग रहते है और अनेक रीति–रिवाजो के लोग रहते है। यदि इनको इकटठा रखना है तो इन सबके लिए ि ाक्षा में बेसिक लैवल पर बच्चो के अन्दर नींव डालनी होगी। यदि हमारी बेसिक नींव मजबूत होगी तो हमारे सभी धर्म, हिन्दु धर्म, मुस्लिम धर्म, इसाई धर्म आदि भी मजबूत होंगे। यदि हमारा बेस ही कमजोर होगा तो न तो ये धर्म रहेगे और न यह अयोध्या का मंदिर रहेगा। इन सभी चीजो को बचाना है तो हमें अपना बेसिक आधार मजबूत करना होगा तभी भारत एक रह सकता है। हमें अपने धर्मनिरपेक्ष समाज को मजबूत करने के लिए कोई ऐसी ि ाक्षा नीति बनानी चाहिए जिससे बच्चे में आत्म वि वास की भावना उत्पन्न हो। डिप्टी स्पीकर साहब, इसी प्रकार से मै आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक और बात की तरफ दिलाना चाहता हू। आजकल बच्चो का बस्ता बहुत भारी होता है। सरकार को कोई ऐसा प्रबन्ध करना चाहिए कि उन्हे बस्ते का भार अधिक न उठाना पडे। मेरा यह भी सुझाव है कि बच्चे को पहली क्लास से ही प्रैक्टिकली रुप में कोई काम सिखाना

चाहिए। आज के दिन 8वी, 9वी, 10वी या 11वी क्लास में जाकर बच्चो को हम कोई प्रैक्टिकल चीज सिखाते है। इस बारे में मेरा अनुरोध है कि ऐसा प्रबन्ध पहली क्लास से ही भ्रुरु किया जाये क्योंकि प्रैक्टिकली और थ्यूरैटिकली बात में बडा फर्क होता है। आप जानते है कि वे कहते है कि हिन्दुस्तानी युवक को कोई योग नही आता। इस संबंध में मै चाहूंगा कि योग की ि ाक्षा भ्रुरु मे ही चालू की जाए ताकि आने वाली पीढी को इस बात का पता लग सके कि योग हिन्दुस्तान की ही देन है और हिन्दुस्तान में ही योग का जन्म हुआ है। इसलिए इस योग की ि ाक्षा को भी पहली क्लास से लागू किया जाये। आपने देखा होगा कि कही पर जब ओलम्पिक खेल होते है तो उन खेलो में चाहे एथैलिटिक्स खेल हो या दूसरे खेल, हमें मुहं की खानी पडती है। इन खेलो में हमारे खिलाडियो का अच्छा रोल नही होता। मै चाहता हूं कि ि ाक्षा का स्तर इस प्रकार हो कि बच्चे अच्छे खिलाडी भी बन सके। अच्छे खिलाडी होगे तो दुनिया के दूसरे दे ाो में हमारे दे ा की भाान भी बढेगी।

उपाध्यक्ष महोदय, काफी दे ाो में बच्चो को टूरिज्म के माध्यम से काफी कुछ भ्रुरु मे ही सिखाया–दिखाया जाता है जबकि हमारे यहां पर ऐसा प्रबन्ध नही है। मै चाहता हूं कि कोई ऐसा प्रबन्ध किया जाये कि प्राइमरी क्लासिज के बच्चो को चाहे दूसरे दे ाो में घुमाने का प्रबन्ध न करे लेकिन अपने दे ा के दूसरे प्रांतो मे उनको ल जाने का अव य प्रबन्ध करे। ऐसा प्रबन्ध

यदि प्राइमरी क्लास के बच्चो से सम्भव न हो सके तो 8वी, 9वी, 10वी या हाई स्कूल या कालेज के बच्चो को दूसरे प्रदे ाा में ले जाया जाए ताकि वे वहां की सभ्यता के बारे में जान सके। वहां के पहाडो के बारे में जान सके। उन्हे समुद्रो के बारे में ज्ञान हो सके। वे वहां की सभ्यता को आमने सामने से देख सके। इसके अलावा मे यह भी कहना चाहता हूं कि जो आजकल प्राइवेट स्कूल चलते है, जिनको रिकोग्नाइज़ किया जाता है उनमें प्ले ग्राउंट नही होता। दूसरे भाब्दो मे ऐसे स्कूल आबादी के बीच ही गलियो में खोल दिए जाते है जिनमें बच्चो की सुविधाओ की तरफ बिलकुल ध्यान नही दिया जाता। ये स्कूल, स्कूल न हो कर दुकाने चलाते है,यानी इनके माध्यम से अपना बिजनैस चलाते है। इन स्कूलो ने पेसा कमाने के लिए एक धंधा बनाया हुआ है। ये बच्चो को लूट रहे है। इसलिये मेरी मांग है कि ि ाक्षा का स्तर उंचा करने के लिए इन स्कूलो को रिकोगनाईज करते समय प्ले ग्राउंड और दूसरी भार्ते जो महकमा फिक्स करे उनको ध्यान में रखते हु रिकोग्लाइज करे ओर निर्धारित की गई भार्तो को सख्ती, से लागू किया जाये।

डिप्टी स्पीकर साहब, अब मै कुछ बाते एग्रीकल्चर के बारे में कहना चाहता हूं। मै चाहता हूं कि बच्चो को भाुरु से ही हार्टिकल्चर, एग्रीकल्चर, रेडियो मकैनिक, म ाीन मकैनिक आदि की ि ाक्षा का प्रबंध किया जाये ताकि बच्चे की मैन्टेलिटी का पता लग जाए कि वह किस दि ाा में जाना चाहता है। मान लो किसी

बच्चे की रुचि एग्रीकल्चर की तरफ है तो उसे बी0 एस0 ई0 में दाखिला दिया जाये। अगर बच्चे का दिमाग म ीनरी की तरफ है तो उस को इन्जीनियरिंग कालेज में भेजना चाहिए ओर अगर उसका दिमाग डाक्टरी की तरफ है तो उसको मैडिकल कालेज में भेजना चाहिए। कोई ऐसा सिस्टम चालू किया जाए जिससे भ्रुरु से ही प्राइमरी लैवल पर ही बच्चे के बारे में पता लगाया जाए कि उसके माइण्ड की डाईव र्न किस तरफ है। यह चीज देखना भी बहुत जरुरी है। पिछले वर्श 10 जमा 2 का जो सिस्टम चलाया गया था वह बहुत सोच समझ कर चलाया गया था इससे एक साल फालतू लगता है। इस प्रकार से दस जमा दो–जीम तीन से कुछ वि ोश फायदा नही हो सका है इसलिए मै समझता हूं कि इस सिस्टम को दोबारा रिव्यू किया जाए। हमारे हरियाणा के अन्दर एक ऐसी ि ाक्षा नीति तैयार की जाए जिस की तरफ सारा हिन्दुस्तान देखे और उसकी नकल करे।

डिप्टी स्पीकर साहब, जहां तक कापिंग का सवाल है, इस मामले में आदरणीय मुख्य मंत्री जी और बहन भ्रांति देवी राठी की बधाई देना चाहता हूं कि इस साल नकल के मामले में काफी कण्ट्रोल रहा है। मै यह बातजोर दे कर कहना चाहूंगा कि नकल की बजाये अक्ल से बच्चे आगे आए ताकि आने वाली पीढी अक्ल के दम पर पूरी जीनियस पीढी बन सके और हरियाणा से बाहर निकल कर हरियाणा का नाम उंचा कर सके। इन भाब्दो के साथ मै अपनी बात समाप्त करता हूं। डिप्टी स्पीकर साहब, आपने मुझे

बोलने के लिए जो समय दिया है उसके लिए मै आपका धन्यवाद करता हूं।

चौधरी औम प्रका ा (बेरी): उपाध्यक्ष महोदय, ऐजूके ान सिस्टम के बारे में कापिंग जैसे बडे अभि ााप पर श्री मनीराम केहरवाला जी ने जो प्रस्ताव रखा है मै उस पर बोलने के लिए खडा हुआ हू। नकल का अभि ााप हमारी स्टेट और पूरे मुल्क मे फैला हुआ है, इसके बारे में मै अपने विचार सदन के समक्ष प्रस्तुत करना चाहता हूं। इस प्रस्ताव के बारे में पूरे सदन की रिकमैंडे ान चाहिए। हमारे दे ा और प्रदे ा के अन्दर जो ि ाक्षा प्रणाली है वह बहुत ही डिफैक्टिव है और उसमें काफी सुधार की आव यकता है। इस बारे में मै कम्युनिस्ट कण्ट्रीज का उदाहरण रखना चाहूंगा। रि िया, चाईना, अलबेनिया, चैकोस्लवाकिया, रोमानिया आदि मुल्को में एजूके ान सिस्टम मै समझता हूं कि पूरी दिया में बेहतरीन सिस्टम है। साम्यवादी दे ाो में प्राइवेट कोई चीज नही है इसलिए वहां पर सारे स्कूल भी सरकारी ही होते है। सारे सरकारी सकूो में ि ाक्षा का एक ही ढांचा है ओर एक ही किस्म के सिलेबस से वहां ि ाक्षा दी जाती है। वहां पर सबसे बढिया बात यह है कि सभी विधार्थियो के लिए एक ही कपडे से ड्रैस बनवाई जाती है ताकि बच्चो में हीन भावना पैदा न हो। हमारे यहां साहुकार का बच्चा बहुत बढिया कपडे की ड्रैस पहन कर स्कूल में जाता है तो लाजिमी तौर पर गरीब बच्चे के दिमाग मे यह भावना जरुर आएगी कि वह उसके बच्चे से हीन

है। अगर बच्चे के मन मे हीन भावना बैठ जाएगी तो उसके दिमाग का सही विकास नही हो सकेगा। इस बारे में मेरा यह सुझाव है कि ड्रैस के लिए बे ाक पेरैन्टस से पैसे ले लिए जाए लेकिन सारे बच्चो के लिए एक ही कपडे की ड्रैस होनी चाहिए ताकि निर्धन बच्चो के अंदर हीन भावना न पनपे। कम्युनिस्ट कण्ट्रीज के अन्दर जो व्यक्ति जिस नगर में रहता है उसके बच्चे उसी नगर के स्कूल मे पढेगे। 'ए' मौहल्ले के नागरिक को कोई अधिकार नही है कि वह अपने बच्चे को पढने के लिए 'बी' मोहल्ले में भेजे। उस गांव में जो स्कूल है उसी किस्म की ि ाक्षा उसको उपलब्ध होगी उसे कोई अधिकार नही है ि कवह अपने बच्चे को पढने के लिएउस गांव से कही बाहर भेजे। उपाध्यक्ष महोदय, मै यह कहनाचाहता हूं कि इस सिस्टम को यहां पर भी लागू किया जाना चाहिए। (विघ्न) इसके लिए मै यह कहूंगा कि सारे दे ा के अन्दर एक जैसे स्कूल होने चाहिए, उनका स्टैण्डर्ड एक जैसा होना चाहिए जिससे हम यह कह सके कि यहा के सारे नागरिको को एक जैसे अधिकार प्राप्त है। हमारे संविधान में आर्टिकल 14 में हमस ब को बराबर अवसर देने की बात कही गई है। संविधन के अन्तर्गत बच्चो को हमने बराबर के अवसर देने है। बराबर के अवसर तभी दिए जा सकते है जब एककिस्म की तालीम बच्चो को देंगे। लेकिन एक बच्चा तो सात हजार, आठ हजार या नौ हजार रुपये माहवार देकर मंसूरी के या देहरादून के पब्लिक स्कूलो में पढकर आता है और एक गरीब का बच्चा अंधेरी गलिया के स्कूलो में पढे तो दिमागी तौर पर तो उसकी ि ाक्षा में फर्क होगा। इसलिए यह पब्लिक

स्कूल बिल्कुल बैन होने चाहिए। सारे दे ा में सिर्फ एक ही किस्म के स्कूल होने चाहिए ताकि हम दम–खम के साथ कह सके कि हमने अपने संविधान की पूरी पालना की है और जो कुछ संविधान मे कहा है, उसके अनुसार तालीम में बराबर के अवसर अपने बच्चो को दिए है। तो इससे मेरे ख्या लमे बच्चो में कम्पीटी ान की भावना भी आएगी और गरबी का बच्चा तरककी करके इंजीनियर, डाक्टर और क्लास वन आफिसर भी बन सकेगा। तब तो बात कुछ ठीक भी है। हम कहने के लिए तो बराबरी की बात कह देते है लेकिन प्रैक्टीकली यह बिल्कुल अलग बात है। हमें अपने बचचो को बराबर अवसर प्रदान करने चाहिए। उपाध्यक्ष महोदय, ि ाक्षा के नाम पर देख लिजिए, लोग कहते है कि राजनीति भी अब कमर्ि ायल हो गई है या और भी दूसरी चीजे कर्मि ायल हो गई है। मै यह कहता हूं कि हिन्दुस्तान में ि ाक्षा भी कमर्ि ायल हो गई है, उसका भी व्यापारीकरण हो चुका है। बहुत से लोगो ने धन कमाने के लिए पब्लिक स्कूलो के नाम से दुकाने चला रखी है। घर–घर में गलियो में पब्लिक स्कूलो के अंग्रेजी स्कूलो के नाम से चलाए हुए है। जो हमारे बच्चे का भाोशण करते है, जो हमारे बच्चो को गुमराह करते है और समाज के साथ धोखा करते है। इसलिए मै तो यह कहना चाहूंगा कि प्राइवेट इन्स्टीच्यूट बिलकुल बनद होने चाहिए और सारे के सारे सरकारी स्कूल होने चाहिए तथा उनमें एक ही तरह की ि ाक्षा होनी चाहिए। तब हम कह सकते है कि हम लोगो को बराबर के अवसर दे रहे है। इसी के साथ मै एक बात और कहना चाहूंगा कि हम प्राइवेट स्कूलो में

टीचर लगाने के लिए क्या क्वालीफिके ान रखते है। मैट्रिक पास करके जे0 बी0 टी0 का कोर्स करने वाले मास्टर बन जाते है, ड्रांईग का कोर्स करने वाले ड्रांईग मास्टर लग जाते है, इसी तरह से बी0 ए0, बी0 एड0 करने वाले को एस एस मास्टर लगा देते है, मैथेमैटिक्स से बी0 ए0 कर लिया तो मैथेमैटिक्स का मास्टर लग गए या साइंस मास्टर बन गए। यह कोई क्वालीफिके ान नही है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको बताना चाहता हू। उपाध्यक्ष महोदय, आप भी विदे ा गए है, मैने भी इस बारे में पढा है और जो दूसरे दे ाो से होकर आए है उनसे बातचीत के बाद मुझे पता चला है कि रि ाया और चाईना में प्राइमरी स्कूला का जो टीचर है उसकी क्वालीफिके ान पोस्ट ग्रजूएट या एम0 ए0 पी0 एच0 डी0 से कम नही है। आपको सुनकर ताज्जुब भी होगा कि उनका पे स्केल भी युनिवर्सिटी के लैक्चर्ज से ज्यादा है। जो प्राइमरी स्कू का टीचर हो वह हाई एजूकेटिड आदमी होना चाहिए और हमारे दे ा में ऐसे आदमियो की कमी नही है। बहुत से नौजवान जिनको नौकरी नही मिलती है वे अपने गावो में फ्री घूमते रहते है उनमे से बहत एम0 ए0 और पी0 एच0 डी0 भी है उनको प्राइमरी स्कूलो में आप लगाएं। साथ ही स्कूलो में साईकोलोजिस्ट भी होने चाहिए ताकि हम बच्चो को मैनोवैज्ञानिक ढंग से जान सकेकि यह बच्चा हमारे दे ा के लिए कोन कौन सी लाईन में जाकर ज्यादा फायदेमंद हो सकता है। हमे अपने दे ा की बात सोचनी चाहिए, अपनी नही सोचनी चाहिए लेकिन हमारी सोच क्या है? हर माता–पिता यह इच्छा करता है कि हमार बच्चा बडा होकर इंजीनियर या डाक्टर

बने, एच0 सी0 एस0 बने या आई0 ए0 एस0 आफिसर बने और यह बनने के लिए ही नकल को बढावा मिलता है क्योंकि इंजीनियरिंग कालेजो में दाखिला लेने के लिए कम्पीटी ान है और चूंकि हमारी आज सोच ही इस प्रकार की हो गयी है कि हम अपने बच्चो को डाक्टर या इंजीनियर ही बनाना चाहेगें। दक्षिणी भारत मे खास तौर पर धन कमाने के लिए इंजीनियरिंग कालेजो की तादाद भी इसलिए बहुत बढी है और मैडिकल कालेजो की तादाद भी बहुत ज्यादा हुई है। हमें यह सोच बदलनी चाहिए और हमें हर स्कूल के अन्दर या हर इलाके के अंदर एक बोर्ड कांस्टीच्यूट करना पडेगा जो हमें बतायेगा कि किस बच्चे को क्या पढाया जाए। उसकी वीकली टैस्ट होना चाहिए क्योंकि ऐनुअल टैस्ट से बात बनने वाली नही है। मै तो यह कहता हूं कि बच्चो के लिए साप्ताहिक टैस्ट होना बहुत ही जरुरी है। बच्चो को यह अधिकार होना चाहिए कि वे मैट्रिक तक याह सीनियर सैकेण्डरी स्कूल तक पढे लेकिन बोर्ड कांस्टीच्यूट करने का जो मैने सुझाव दिया है, उसमें बोर्ड इस बात का फैसला करेगा कि फलां बच्चो हैल्पर बनने के या मैकैनिक बनने के काबिल है और फलां बच्चो युनिवर्सिटी में लैक्चरार या टीचर बनने के काबिल है। इसी हिसाब से यह बात तय होनी चाहिए। अब अगर इस बात का फैसला पेरेन्टस करने लग जाएं तो कोई भी माता–पिता यह नही चाहेगा कि उनका बच्चा डाक्टर से नीचे बने या इंजीनियर से कम बने। उपाध्यक्ष महोदय, इसलिए वह बोर्ड यह फैसला करेगा कि यह बच्चा अगर इंजीनियर बनेगा तो हमारे दे ा के लिए ज्यादा लाभदायक साबित

होगा या नही होगा तो इस किस्म की बातें है। हमारी सोच राश्ट्रीयता की सोच की तरह तभी हो सकती है जब ऐसा कुछ हो। आज हमारी सोच सैल्फ सैन्टर्ड होकर रह गयी है। हम इतने स्वार्थी हो गये है कि हम केवल अपने अपने बच्चो की ही भलाई की बाते करते है। कभी अपने स्टेट की या कभी अपने दे ा की बातें हम नही करते कि इनके इंजीनियर बनने से या डाक्टर बनने से दे ा को फायदा होगा या नही। हमारी सोच तो यह होनी चाहिए थी लेकिन सोच हमारी यह है कि वह डाक्टर या इंजीनियर बनने के बाद चाहे दे ा के लिए फायदेमंद हो या न हो लेकिन उसको अपने बच्चे को डाक्टर या इंजीनियर जरुर बनाना है। उपाध्यक्ष महोदय, ऐसी हमारी आज सोच बनकर रह गयी है। इस सिस्टम का हमें सुधार करना होगा। इसमें काफी कमियां है, इसलिए इसमें सुधार लाने की जरुरत है। अगर यही हमारी सोच रही तो जो कापिंग करने का, नकल करने का एक बडा अभि ााप हमारे दे ा के अन्दर खासतौर पर हमारे प्रदे ा के अन्दर पनपा है, उसको हम नही मिटा सकते क्योंकि नकल का सहारा लेकन हर पैरेन्टस यही चाहता है कि उसका बच्चा डाक्टर या इंजीनियर जरुर बने। इसलिए इसमें सुधार लाने की जरुरत है। उपाध्यक्ष महोदय, मै आपको अपना ही उदाहरण देकर बताना चाहता हूं कि मुझे इंजीनियर बनने का कोई भाौक नही था, क्योंकि मेरा उसमें इंट्रस्ट नही था लेकिन मेरे घर वो यही चाहते थे कि मै इंजीनियर बनू इसलिए जोर–जबरदस्ती से मुझे बिडला इंजीनियरिंग कालेज, पिलानी में दाखिला दिलवा दिया और इसका यह नतीजा हुआ कि

मुझे 6 महीने के बाद ही वह कालेज छोडना पडा। उसके बाद मैने अपने मन के मुताबिक काम किया। इसलिए उपाध्यक्ष महोदय, मेरा यही कहना है कि स्कूलो में साइकोलोजिस्ट की जरुरत है क्योंकि वह इस बात को तय करेगा कि इस बच्चे का ऐटीच्यूड क्या है, इस बच्चे को किस लाईन में जाना चाहिए। जोर–जबरदस्ती किसी बच्चे के साथ भी नही करनी चाहिए और जोर–जबरदस्ती दे ा के साथ भी नही करनी चाहिए। किसी भी फिल्ड में वहां टेलेन्टिड आदमी तभी जा सकते है जब वहां पर अपने दे ा में ही ि ाक्षा का इंतजाम ठीक ढंग से हो। इस तरह से उपाध्यक्ष महोदय, मैने प्राइवेट इंस्टीच्यू ान के बारे में अपनी बातें कही। इसके अलावा जैसा कि श्री मनीराम जी ने कहा कि नकल में सुधार हुआ है, या कंट्रोल हुआ है, मै इस बात को नही मानता। नकल अब भी पूरे जोर भाोर स`चल रही है। यह किसी को खु ा करने वाली बात नही है। मै तो इस बात के लिए सरकार को दोशी नही मानता। इसके लिए तो हम सब दोशी है। मै आपको उदाहरण के तौर पर बताना चाहता हूं कि टीचर्ज भी इसमे ंपीछे नही है। टीचर्ज कहते है कि हमें प्रमो ान तभी अच्छी मिलेगी जब रिजल्ट अच्छा रहेगा। होता यह है कि जहां पर चैकिंग का ठीक से इंतजाम नही होता, वहा ंपर बोर्ड पर सवाल हर कर दिये जाते है और कहा जाता हैकि नकल करो और पास हो जाओ। नकल करवाने के लिए यहां तक होता है कि बच्चे की मां खाना बनाने के समय अपने घरवाले से या रि तेदार से कहती है कि तुम तो यहा ंबैठे हो और बच्चा वहां इम्तिहान देने गया हुआ है। यानी उसकी भी नकल करवाने

के लिए स्पे ाल डयूटी लगवाई जाती है। इसी तरह से टीचर्ज भी अपनी डयूटी वि ोश स्कूल में लगवाते है ताकि पैसा कमाया जा सके। मै तो कहता हूं कि वहां बच्चो से भी चन्दा एकत्र किया जाता है और जो स्टाफ डयूटी पर आता है उसको भाराब भी पिलाई जाती है, पैसे भी दिए जाते है और गिफट भी दिये जाते है, यहा तक हालात आज खराब हो चुकी है और मै तो यह भी कहूंगा, वैसे मुझे कहना तो नही चाहिए कि पुलिस के लोग भी स्कुलो में पर्चियां फेंकते हुए देखे गये है। इस प्रकार से सारा आवा का आवा बिगडा पडा है। समाज में बडा भारी सुधार लाने की जरुरत है। समाज मे बडा भारी सुधार लाने की जरुरत है। मै तो कहूंगा कि अगर कापिंग नही रोकी गयी तो पता नही दे ा कहां चला जाएगा? आज जो हमारे नौजवान ग्रेजुए ान कर चके है वे एक ऐप्लीके ान तक नही लिख सकते है, आज इस तरह के हालात हो चुके है। उपाध्यक्ष महोदय, आप ही बताइये कि क्या ये दे ा ऊंचा उठा पायंगे, क्या दे ा आगे जाएगा? इसलिए हम सबकी जिम्मेदारी है कि कापिंग, जो बहुत बडा अभि ााप है, को रोकने के लिए सख्त से सख्त कदम उठाने चाहिए और यू0 पी0 के पैटर्न पर एक कानून बनाना चाहिए। इंडियन पैनल कोड में एक नया सेक ान जोड कर कानून बनाना चाहिए जिसमें नकल करवाने वाले को, चाहे वह बच्चे का बाप हो, चाहे वह टीचर्ज हो, चाहे वह बच्चा हो, कम से कम एक साल की सजा का प्रावधान होना चाहिए। डटरेन्ट पनि ामैंट जब तक आप नही करेगे तब तक इस समस्या पर काबू नही पाया जा सकता और अगर इस समस्या पर

काबू नही पाया जाएगा तो लाजिमी तौर पर इसके नतीजे बडे खराब होगे और दे ा गर्त में चला जाएगा। उपाध्यक्ष महोदय, मै दावे के साथ कह सकता हूं कि कापिंग बडी तेजी से बढ रही है। इसके लिए लोगो मे झगडे भी होते है। जो आफिसर्ज या स्टाफ इस कापिंग को रोकना चाहते है उनके साथ हाथापाई भी हुई है, यहां तक कि क्रिमिनल केसिज भी हुए है। यह ऐसा मामला है जिसको सरकार को अच्छी तरह से सख्त कदम उठाकर रोकने का भरकस प्रयत्न करना चाहिए ताकि हम अपने दे ा को, अपने प्रदे ा को इस बहुत बुरे अभि ााप से बचा सकें और अपने प्रदे ा की सेवा कर सके। इसके साथ साथ केहरवाला जी ने नैतिक ि ाक्षा के बारे में बहुत बढिया बात कही है। मुख्यमंत्री जी ने भी एक ब्यान में कहा था कि आने वाले साल से हर स्कूल के अन्दर नैतिक ि ाक्षा का एक आव यक पीरियड लगाएंगे। हम यह देखते है कि हमारे अंदर राश्ट्रीयता की भावना बहुत कम रह गई है। महात्मा गांधी दे ा की बात करते थे, जवाहर लाल नेहरु दे ा की बात करते थे लेकिन हमारी सोच इतनी गिर गई है कि हम अपनी अपनी बात करते है, दे ा और प्रदे ा की बात नही करते है। हम अपने में सीमित होकर रह गए है दे ा भाड में जाए, प्रदे ा भाड में जाए। नैतिक ि ाक्षा के द्वारा हम अपने बच्चो को बता सके कि हमारा मुल्क क्या है उसके प्रति हमारे कर्तव्य क्या है, क्या हमारे राइट्स है? आज हम अपने राइटस की मांग तो करते रहते है परन्तु अपने कर्तव्य का पालन नही करते जबकि rights and duties are co-related. अगर हम अपना कर्तव्य पूरा

नही करते तो हमें हक मांगने का अधिकार नही है। इस वजह से हम पिछड गए है क्योंकि डिसिप्लन नाम की चीज नही रह गई है अनु ाासनहिनता इतनी आ गई है और ये नीचे से भाुरु हुई है। अब आप देंखे एक परिवार है, अगर हम उसके हैड का कहना नही मानेंगे तो कैसे काम चलेगा? इसी ढंग से परिवार के बाद मौहल्ला, मौहल्ले के बाद गांव, गांव के बाद भाहर, भाहर के बाद स्टेट, स्टेट के बाद दूसरी स्टेट और फिर मुल्क बन जाता है। यह अनु ाासन की भावना नीचे से जागृत की जाती है, अनु ाासनहीनता बहुत ज्यादा हो चुकी है। इसलिये हमारे मुल्क के अंदर नैतिक ि ाक्षा की बडी जरुरत है। जब तक नैतिक ि ाक्षा नही आएगी, राश्ट्रीयता की भावना नही आएगी तब तक ठीक नही होगा। अगर हम अपने दे ा की बात नही करेंगे तो यह दे ा कहा जाएगा? यह दे ा तबाह हो जाएगा। इसलिए राश्ट्रीयता की भावना अपने में, अपने बच्चो में पैदा करने के लिए नैतिक ि ाक्षा जरुरी विशय के रुप में उभरकर सामने आए।

इसके साथ–साथ मै स्पोर्टस के बारे में एक बात कहना चाहूंगा। स्पोर्टस से अनु ाासनहीनता में काफी हद तक सुधार आ सकता है, हम स्पोर्टस पर कम ध्यान दे रहे है। कम्यूनिस्ट कंट्रीज में ि ाक्षा का स्तर बहुत उंचा है, सिस्टम आफ एजूके ान बहुत बढिया है, इसी वजह से कम्यूनिस्ट कंट्रीज ने हर क्षेत्र में बहुत तरक्की की है। पावर के मामले में रि ाया दूनिया की पहली ताकत है और वह स्पोर्टस के मामले में भी नंबर एक पर है,

क्योंकि वहां अनु ाासन है, राश्ट्रीयता की भावना है। ईस्ट जर्मनी और वैस्ट जर्मनी अब तो एक कंट्री हो गए हैं पहले इनमें एक सामयवादी मुल्क था। छोटा सा दे ा होते हुए भी 11–12 गौल्ड मैडल, सिल्वर मैडल, ब्रौंज मैडल हमे ाा जीतकर वे लाते रहे। यही यूगौस्लाविया, रोमानिया और क्यूबा की हालत थी। देख लिजिए इन मुल्को ने दुनिया के हर क्षेत्र में तरक्की की है। कम्यूनिस्ट कंट्रीज का मैने उदाहरण दिया है, वह ठीक है आप उदाहरण के तौर पर नजरे घुमाकर देख ले कि उन मुल्को में ठीक ि ाक्षा–प्रणाली थी इसलिए उन्होने हर क्षेत्र में तरक्की की। इन भाब्दो के साथ मै आ ाा करता हूं कि ठीक किस्म की ि ाक्षा–प्रणाली अपनी स्टेट के अंदर अपनाएंगे। साथ ही यह बात भी कहूंगा कि ि ाक्षा को जौब ओरिएन्टिड बनाना चाहिये। हमारे नौजवान सिम्पल ग्रेजुएट होने के बाद उनके अन्दर कोई वि ोश काबलियत तो होती नही है, सिवाये इस बात के कि वह बाबू बन जाये। हम अपने बच्चो को ऐसी ि ाक्षा प्रदान करे जिससे उनके अन्दर कोई टैक्नीकल स्किल आये। उनको प्रैक्टिकल ि ाक्षा दे ताकि अगर उनको सरकारी नौकरी न मिले तो वे अपनी कोई प्राइवे वर्क ाप वगैरह खोल कर अपने परिवार का गुजारा चला सके और अपने मुलक की सेवा कर सके और दे ा के काम आ सकें। इसी किस्म के पौलिटैक्निक इन्सटीच्यूट और आई0 टी0 आई0 वगैरह लडकियो के लिये भी हम खोलें। ऐसे इंस्टीच्यू ंज खोले जिन से ि ाक्षा के स्तर में काफी सुधार किया जा सके। इस बात की ओर सरकार वि ोश रुप से ध्यान दे, अगर

आप ि ाक्षा के मामले में प्रदे ा को ऊंचा उठाना चाहते हो। अगर हमारा प्रदे ा ि ाक्षा मामले मे एक बार ऊपर उठ गया तो हरके मामले में खुद–ब–खुद ऊपर उठ जायेगा। इन भाब्दो के साथ मै अपनी बात समाप्त करता हूं। धन्यवाद।

श्री राम पाल सिंह कंवर (घरौण्डा): डिप्टी स्पीकर साहब, श्री मनी राम केहरवाला जी का जो एजूके ान सिस्टम में सुधार करने के बारे में रैजेल्यू ान इस हाउस में आया है, मै उस पर अपने विचार देने के लिए खडा हुआ हूं। किसी दे ा को ऊंचा उठाने के लिए नै ानल करैक्टर की आव यकता होती है। यदि किसी दे ा का ने ानल करैक्टर अच्छा नही होगा तो चाहे आप कितना ही जोर लगा ले, वह दे ा आगे नही बढ सकता। किसी दे ा का नै ानल करैक्टर बनाने के लिए अच्छे विधार्थियो का होना बहुत जरुरी है। विद्या ग्रहण जब तक नही की जाएगी तब तक मनुश्य का जीवन अंधकारमय ही रहता है। आपको अध्ययन करने के लिये कुछ न कुछ अक्षरो की जानकारी होना आव यक है, चाहे वह अखबारो का अध्ययन करना चाहते है या किसी किताब का अध्ययन करना चाहते है, यही तभी सम्भव हो सकता है जबकि आपने विद्या प्राप्त की हो। विद्या प्राप्ति बारे कुछ गाईड लाईन्ज ली हो। आज दे ा के अन्दर जगह जगह यह बात कही जा रही है कि आज हमारे कंट्री के अन्दर हजारा करैक्टर नीचे के स्तर की तरफ जा रहा है। आज हम देख रहे है कि सामने बडी समस्या नौकरियो की है ंडिग्रीयां हाथ में लेकर बेरोजगार भटकते

फिर रहे है लेकिन उनको नौकरी नही मिलती। आपको यह भी पता है कि नौकरियो का भी सीमित दायरा है। उस दायरे के अन्दर ही नौकरियो को प्राप्त कर सकते है। इसके बाद मै यह भी कहूंगा कि यदि हम अपना एजूके ान सिस्टम नही बदलेंगे तो एक प्रौब्लम और बढेगी। यह प्रौब्लम इतनी विकट प्रोब्लम बन जाएगी कि भाायद इसको संभालना किसी भी सरकार के बस की बात नही रहेगी। आज जगह जगह उपद्रव हो रहे है। देखने में यह आता है कि ज्यादातर पढे लिखे नौजवान जो खाली बैठेहै, जिन्हे नौकरी नही मिल रही है, वे ही ज्यादातर उनमें संलिप्त पाये जाते है। जिस तरह से केहरवाला साहब ने कहा है कि और बेरी साहब ने भी कहा है कि जब तक हम अपने ऐजूके ान सिस्टम को नही बदलेंगे तब तक हम कामयाब नही हो सकते। जब तक हम प्राइमरी स्कूलज में यह नही देखेंगे कि बच्चे का किस चीज में इन्ट्रस्ट है, वह किस तरफ जाना चाहता है, कौन सी लाइन वह अपनाना चाहता है तब तक हम एजूके ान में तरक्की नही कर सकते और न ही बेरोजगारी की समस्या को खत्म कर सकते है। इसलिये यह बहुत ही जरुरी बात है कि प्राइमरी स्कूलो में ही हमें अपने बच्चो को देखना चाहिए कि वह कौन से सबजैक्ट में इंट्रस्टीड है, कौन सी लाइन वह लेना चाहता है। मैट्रिक तक पहुंचने पर अगर हम उसको दि ाा सही नही दे पायेंगे तो आगे चलकर उसके लिये मु ि कल हो जायेगा और वह कालेज मैं जाकर सही लाईन नही पकड सकेगा। आखिर में आजकल क्या होता है। वह फैसला इस तरह से करता है। नान–मैडिकल और मैडिकल मे तो भाायद वह

नही चल पायेगा इसलिये वह आर्टस क्लासिज में बी0 ए0 हो जाएगा। जब डिग्री हो जाएगी तो जीवन में सुधार करने की बजाए जीवन में नाकामयाब ही रहेगा। वह डिग्री तो प्राप्त कर लेता है लेकिन जीवन में वह डिग्री बहुत कम काम आती है। बल्कि उसका जीवन सुधारने की बजाए, जीवन खराब हो जाता है क्योंकि ऐसी स्थिती मं पहुंच जाता है जब कालेज में तो व्हाइट कॉलर और अच्छी जिंदगी बसर करता है लेकिन जब कालेज से बाहर आता है तो उसको जीवन व्यतीत करने के लिये कोई साधन नही मिलता तो वह कोई गलत रास्ता पकडने के लिए मजबूर हो जाता है। जैसा कि मेरे से पहले बोलने वाले दोनो साथियो ने कहा कि प्राइमरी क्लासिज के बच्चो के बारे में जानना बहुत जरुरी है। उसका जायजा लेने के लिए साइक्लोजीकली उसको स्टडी करना होगा जिससे कि आगै चलकर ऐसी लाइन ऐडाप्ट करे जिससे कि वह सफल हो सके।

जौब ओरिएन्टिड ऐजूके ान के बारे में अभी मेरे साथियो ने कहा है कि हमें टैक्नीकल ऐजूके ान की तरफ ज्यादा जोर देना होगा। उपाध्यक्ष महोदय, जैसा कि सरकार ने फैसला किया है कि हम ब्लोक लैवल पर आई0 टी0 आई खोलकर, पोलीटैक्निक इनस्टीच्यू ान्ज ज्यादा खोलकर बच्चो को इस तरफ आकर्शित कर सकेगें। पढने के बाद अगर उनको सरकारी नौकरी नही मिलती और अगर उनको टैक्नीकल ज्ञान है तो वे अपने जीवन का गुजारा कर सकते है लेकिन बुकि ा नौलिज से उनको

परे ानी होती है क्योंकि उस नालेज से वे गुजारा नही कर सकते। मेरा सुझाव है कि सरकार ने जो फैसला किया है कि वह ब्लौक लैवल पर पोलिटैक्निक खोलेगी उसको अमली जामा पहनाकर ज्यादा से ज्यादा बच्चो को टैक्नीकल एजूके ान देने की तरफ ध्यान देगी और इससे बेरोजगारी की प्रोब्लम हल करने में काफी सहायता मिल सकेगी। आजकल देखने में आया है कि प्राइमरी क्लासिज में इतने ज्यादा कोर्सिज बना दिए है कि बच्चे अपना बस्ता उठाकर स्कूल तक नही जा सकते। किताबो को भी बोझ बहुत ज्यादा हो गया है जिसके कारण बच्चो की कमर तक झुक जाती है। उपाध्यक्ष महोदय, हम लोग भी पहले पढे है। तख्ती पर कलम से लिख करते थे और अ आ से ही क्ला भ्रु करते थे। हमने ला भी किया है और यहां तक पहुंचे है। क्या उस जमाने में इंजीनियर नही बना करते थे। क्या उस जमाने में आई0 ए0 एस0 और आई0 पी0 एस0 नही बनते थे। हमारे दे ा में बहुत काबिल लोग हुए है और वे लोग केवल आ आ ही पढकर हुए है। उपाध्यक्ष महोदय, जो बच्चे आज प्राइमरी क्लासिज में पढते है वे कागज पर बाल पैन तथा दूसरे पैन से लिखते है। जिस कारण उनकी हैंड राइटिंग बहुत ही खराब हो जाती है। मेरा सुझाव है कि कम से कम प्राइमरी क्लास के बच्चो के हैंड राइटिंग की तरफ वि ोश ध्यान देना चाहिए। उनको तख्ती पर लिखवाना चाहिए। उनको आदत डालती चाहिए कि वे तख्ती पर साफ लिखे और अपनी हैंड राइंटिंग को सुधारें। उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर पब्लिक स्कूल्ज की बात आई। पब्लिक स्कूलो के बच्चो को इतनी किताबे

लगा दी जाती हैं कि बच्चो को समझ ही नही आत कि वे अपने कोर्स को कैसे खत्म करें। कुछ किताबो तो खोलकर भी बच्चे नही देख पाते। मै बेरी साहब के साथ सहमत हूं कि पब्लिक स्कूलो को बन्द कियाजाए ताकि सभी बच्चो को पढने का समान अवसर मिल सके और भी बच्चे कम्पीटी ान में बैठ सकें। उपाध्यक्ष महोदय, यहां पर 10+2 का जिक आया। मै यह महसूस करता हूं कि भाायद उस वक्त बेरोजगारी की समस्या बहुत ज्यादा थी ओर सभी बच्चे चाहते थे कि उनको नौकरी दी जाए। भाायद उस वक्त लोगो ने बैठकर यह फैसला सरकार से करवा दिया कि डिग्री क्लासिज में एक साल और बढा दिया जाए जिससे कि बेरोजगारी की बीमारी कुछ और दिन लम्बी चल जाए। यही कारण है कि एक साल बढा दिया गया। लेकिन मेरे ख्याल से बीमारी तो वहीं की वहीं है और 10+2 का कोई लाभ नही हुआ। जिस प्रकार से दसवीं के बाद सिस्टम था, ठीक उसी प्रकार का सिस्टम लागू किया जाए। मै उस सिस्टम को स्पोर्ट करता हूं।

13:00 बजे

उपाध्यक्ष महोदय, अब मै सिलेबस के मूताल्लिक कुछ कहना चाहूंगा कि सिलेबस चेन्त करने के लिए कुछ समय निर्धारित कर दिया जाना चाहिये। मेरी सजे ान है कि इसके लिये कम से कम कुछ पीरिय निर्धारित किया जाए ताकि बच्चो का हित हो। जल्दी से सिलेबस चेन्ज करने की प्रवृति सरकार को त्यागनी

चाहिये। इससे बच्चो को काफी लाभ होगा। कम से कम से सिलेबस 5 साल तक रहना चाहिये।

इसी तरह से उपाध्यक्ष महोदय, नकल के बारे में भी मै अपने विचार रखूंगा। आज मुल्क के अन्दर बच्चे की परीक्षाओ में नकल खुद होती है जिसको रोका जाना चाहिए। इस बारे में, पिछले साल अखबारो में भी छपा था और लोगो को इसकी जानकारी भी है कि पेपर्ज की लीकेज हुई थी। यहां तक की सोलवड पेपर्ज बिके थे जिससे बोर्ड की बदनामी हुई है। इस तरह से बहुत से लोगो ने बोर्ड के उपर इल्जाम लगाया था। मेरे विचार के अनुसार पेपर्ज लीकेज के दो तीन सोर्स हो सकते है। दूसरा सोर्स बोर्ड का है जो पेपर्ज छपवाता है। तीसरा लीकेज का सोर्स है वह प्रैस जहां से प्रपर्ज छपते है। अगर इन दोनो तीनो को प्लग कर दिया जाए तो कुछ हद तक इस पर रोक लगायी जा सकती है लेकिन पिछले साल जो कुछ हुआ उससे भद्दी बात और कोई हो नही सकती। नकल के बारे में, मै विस्तार से बताना चाहता हूं कि सैन्टर्ज में नकल किस तरीके से होती है? सैन्टर्ज में नकल एक हालत में तब होगी, जब वहां पर का सुपरवाइजरी स्टाफ मिला होगा और वह स्टाफ ही बच्चो को नकल करवाएगा। दूसरे हमारे सिक्योरिटी वाले पुलिस कर्मी है, उनकी मदद से भी नकल कराई जाती है। इस से उल्ट अगर वहां का सुपरवाईजरी स्टाफ और सिक्योरिटी स्टाफ सिनसीयर होगा तो तभी नकल में पूरा हाथ होता है। वे भी नकल करवाने के लिए बच्चो के साथ जाते है।

मेरे किसी भाई ने कहा कि घर वाली अपने पति से पूछती है कि बेटा तो पेपर देने गया है और तू घर पर बैठा है। मां बाप को भी मै अछूता नही छोडता क्योंकि वे भी अपने बच्चो को नकल करवाने के लिए भागीदार है लेकिन मां बाप तभी अपने बच्चे को नकल करवाएंगे जबकि उनकी डयूटी–स्टाफ के साथ मिली भगत होगी। दूसरा कारण नकल करवाने का यह भी हो सकता है कि अगर किसी सैन्टर में किसी बोर्ड के आदमी का, किसी अफसर का बच्चा या चेयरमैन का बेटा इम्तीहान दे रहा होगा तो दूसरे बच्चे जिन को नकल नही करने दी जाएगी, उनके अन्दर रोश व्याप्त होगा ओर वे भी भाोर मचाएंगे कि अगर सैन्टर के लोग दूसरे बच्चो को नकल करवाएंगे तो हम भी करेंगे। नौबत यहां तक आ जाती है कि भेदभाव बरता जाता है ओर जो लोग डयूटी पर होता है, वे दूसरे बच्चो को नकल नही करने देते। केवल अपने ही जानकार बच्चो को नकल करवाते है। ऐसे स्टाफ को, टीचर्ज को दूसरे बच्चे थ्रैट करते है कि बाहर निकलना, हम आपको देखेगें। चाकू लेकर वे मेज पर बैठ जाते है और कहते है कि अगर दूरे लडके नकल करेगे तो हम भी करेगे। हमारी तरफ कोई आंख उठाकर नही देख सकता। इस तरह की प्रवृति ऐसे बच्चो में तभी आती है, जब चार को तो हम नकल करवांएगे और बाकी को नकल करने से रोंके। अगर सभी का नकल करने से रोका जाए चाहे कोई चेयरमैन का बेटा हो, चाहे किसी बडे अफसर का लडका हो तभी नकल को भी रोका जा सकता है। अगर डयूटी पर लगे लोग अपने अपने में इंट्रेसटिड होगे तो फिर नकल को कैसे रोका जा सकता है।

इसलिए मेरा सुझाव है कि ऐसी हरकत करने वाले आदमी के खिलाफ सख्त से सख्त कार्यवाही की जाए और उसके खिलाफ क्रिमिनल केस बनाया जाए। यू0 पी0 में नकल करने वाले और नकल करवाने वाले दोनो के खिलाफ कानून बना है। मै यू0 पी0 में आता जाता रहता हूं क्योकि वहां पर मेरी रि तेदारी है। वहां के लोगो का कहना है कि इस सख्त कदम उठने के बाद एक साल में 80% नकल बन्द हो गई। इसलिए हम भी कोई ऐसा प्रावधान करे तो लाजमी तौर पर यहां पर भी नकल रोकी जा सकेगी। इन्होने कहा कि जब हम पढते थे तो उस जमाने में कालेज लैवल तक भी धार्मिक ि ाक्षा का एक पीरियड हुआ करता था। आज हमारा करैक्टर इस तरह का हो गया है कि हम अपनी सभ्यता को छोडते जा रहे है। मै चाहता हूं कि दूसरी किताबे घटा दो लेकिन धर्म ि ाक्षा का एक पीरियड जरुर होना चाहिए। इसमें स्टूडेटस की हाजिरी भी कम्पलसरी होनी चाहिए। अगर हम बच्चो को नैतिक ि ाक्ष भ्ाुरु से नही देंगे तो उनका करैक्टर अच्छा नही हो सकता। आज कल घर घर में टी0 वी0 रखे हुए है। कही पर केबल टी0 वी0 और कही पर दूसरा है, पता नही इनके कितने नाम रख दिए गए है। आजकल टी0 वी0 पर चौबीस घंटे पिक्चर चलती रहती है। हमारी सरकार को सैंसर बोर्ड और सैंट्रल बोर्ड को लिखना चाहिए ि कइस प्रकार की पिक्चरे आ रही है और वे इस प्रकार की पिक्चरे रिलीज न होने दें। हमारे नै ानल करैक्टर के बारे में पिक्चरे बनाई जाए और उनको टी0 वी0 पर दिखाया जाए। आज अ ालील किस्म की पिक्चरो को रिलीज करके सैंसर

बोर्ड ने हमें नुक्सान पहुंचाया है। मेरा सुझाव है कि मुख्य मंत्री जी इस बारे में सैंट्रल गवर्नमैंट को लिखे कि अ लील पिक्चरे जो रिलीज की जाती है उनको फौरन बन्द किया जाए क्योंकि इनका ने ानल करैक्टर पर बहुत बुरा असर पड रहा है। बच्चे रामायण और महाभारत कम देखते है लेकिन वे पिक्चरे सारी सारी रात बैठ कर देखते है। आज मैक्सीमम धंधा सिनेमाघरो में विडियो द्वारा पिक्चरे दिखा कर किया जाता है और इस तरफ अगली जनरे ान बहुत इंट्रस्टिड हो गई है। इसलिए इसमें सुधान लाने के लिए सैंट्रल गवर्नमैंट को कहना चाहिए। हमे टी0 वी0 पर इस प्रकार की पिक्चरे आने देना चाहिए जिनसे हमारे ने ानल करैक्टर पर अच्छा असर पड सके। मै एक और बात कह कर अपनी बात समाप्त करुंगा। वह बात है खेल कूद के बारे में। यदि बच्चा पढ लिख ले ओर भाारीरिक तौर पर वह ठीक न हो तो उस पढाई लिखाई से उस को कोई लाभ नही होगा। अभी बेरी साहब ने भी बताया और हमने डिपार्टमैंट के अधिकारियो से भी पूछा था कि आपने खेल कूद के जितने भी स्टेडियम बनाए है वे सारे डिस्ट्रिक्ट लैवल पर है। हमने उनसे पूछा कि क्या आप यह समझते है कि देहात में खेल कूद के लिए टैलेंट नह है। मेरा सुझाव है कि देहात के अन्दर भी स्टेडियम बनाए जाएं क्योंकि वहां के टेलेटिड बच्चे को पैसा खर्च करके जिला लैवल पर आने में बहुत दिक्कत आती है। मेरा सुझाव है कि ब्लॉक लैवल पर कम से कम स्टेडियम जरुर बनाए जाएं और वहां पर टेलैंटिड बच्चो को मौका दिया जपाए ताकि वे खेलकूद में भाग ले सके और आगे निकल सकै। इससे

प्रदे ा और दे ा का नाम ऊंचा होगा। जो बच्चे खेल कूद में भाग लेते है उनकी डाइट–मनी देखकर मुझे बडा दुख हुआ। पहले 15 रुपये प्रति बच्चा डाइट–मनी दी जाती थी अब उसको बढाकर 25 रुपए प्रति बच्चा किया है। जो रेसलर है, जब वह प्रैक्टिस करता है तो 25 रुपये में वह क्या बनेगा, वह तो दूध भी पूरा नही पी सकता। इतने पैसे से फ्रूट, ड्राई फ्रूट, और दूध कैसे पूरा मिल सकता है। इसबारे में मै सरकार को सजै ान दूंगा कि सरकार इस बारे में खास तौर पर ध्यान दे कि खेलकूद में भाग लेने वाले बच्चो को जो डाइट दी जाती है वह पूरी मिलती चाहिए। वे बच्चे स्टेट का नाम उंचा करते है। खेलने के लिए बाहर जाते है, ईनाम लाते है उनको डाइट–मनि पूरी मिलनी चाहिए। अगर कोई गरीब बच्चा खेलकूद में अच्छा है, यदि उसको डाइट पूरी न मिले तो वह क्या करेगा। वह बीच में ही रह जाएगा। इसलिए मेरा सुझाव है कि खेलकूद में भाग लेने वाले बच्चो को डाइट–मनि बढाई जानी चाहिए। किसी बच्चे को फर्स्ट आने पर ईनाम दे दिया जाए यह बहुत अच्छी बात है। जो इस किस्म के बच्चे है जो स्टेट का नाम ऊंचा करते है, कपस लाते है, भील्ड लाते है, उनके बारे में मै यही सजैस्ट करुंगा कि उनको प्रोत्साहन देने के लिए सर्विसिज भी दी जाए ताकि बच्चे यह महसूस न करे कि सरकार हमें जो डाइट मनी देती है उसी पर निर्भर रहता पडेगा। यदि ऐसे बच्चो को नौकरी दे दी जाए तो उसको जो तनख्वाह मिलेगी उससे अपनी डाइट पूरी खा लेंगे। इसलिए मेरा सरकार से सुझाव है कि ऐसे बच्चो को नौकरी अव च दी जानी चाहिए। सर्विसिज में उनकी

रिजर्वे ान होनी चाहिए। इन भाब्दो के साथ मै यही कहूंगा कि चौधरी मनी राम जी जो रैजोल्यू ा लाए है उसको हाउस पारित करे ताकि इस रैजोल्यू ान के हिसाब से हम जो बातें सरकार के नोटिस मे लाए है ि ाक्षा मे जो ,त्रुटियां है उनको सुधारने में कोई सहयोग मिल सके। धन्यवाद।

श्री हरि सिंह नलवा (सम्भालखा): डिप्टी स्पीकर साहब, चौधरी मनी राम जी एजूके ान में सुधार लाने के लिए, जौब ओरिएन्टिड एजूके ान देने के लिएऔर कोपिंग को खत्म करने के लिए जो रैजोल्यू ान हाउस में लाए है, मै उसका अनुमोदन करने के लिए खडा हुआ हूं। हमारा दे ा आजाद हुए 50 साल से भी ज्यादा अर्सा हो चुका है लेकिन बडे दुख के साथ कहना पडता है कि आज 50 साल के बाद भी हमारा एजूके ान सिस्टम केवल नाममात्र का ही है, एजूके ान सिस्टम का कोई बहुत अच्छा इन्तजाम नही है। हमें याद है कि 1947 से पहले जब मै स्कूल में पढा करता था उस समय अंग्रेजो ने हिन्दुस्तान में अंग्रेजी भाशा को पढाना चालू किया था। उन्होने अंग्रजी भाशा पढाना इसलि भुरु नही किया था कि उनको हिन्दुस्तान के बच्चो को पढाने का कोई भाोक था बल्कि इसलिए पढाना भुरु किया था क्योंकि उनको हमारे दे ा की भाशा समझने मे कठिनाई होती थी और उन्होने अपनी किस्म काकाम लेने के लिए व्हाईट कालर्ड लोग पैदा करने के लिए इस सिस्टम को चालू किया था। उस वक्त यह सिस्टम था कि केवल एक किताब होती थी जिससे इंगलि ा पढाई

जाती थी। पांचवी क्लास से ले कर 8वी क्लास तक पढा हुआ आदमी आज एम0 ए0 पास को अपने पास खडा नही होने देता। उस समय पढाई लिखाई टैक्नीकल जौब ओरिएन्टिड नही होती थी, क्योंकि वही लोग पढते थे जिनके पास काफी साधन होते थे, लेकिन जो भी पढते थे वह पढने लिखने में बहुत महारथी थे। लेकिन आज दे ा को आजाद हुए 50 साल से भी ज्यादा का अर्सा हो गया। आज जो बच्चे एम0 ए0, बी0 ए0 कर रहे है उनमें 80 परसैंट ऐसे बच्चो की मैजोरिटी है यदि आज उनको कहें कि आप नौकरी के लिए एक एप्लीके ान लिख कर लाओ तो बडा अफसोस है कि वे नौकरी की एप्लीके ान नही लिख पाते।

डिप्टी स्पीकर साहब, बडे अफसोस की बात है कि आज की टीचर किसी से डरता नही हैं पहले समय में जब हम पढते थे, यदि कोई इंसपैंक्टर स्कूल की इंसपैक ान के लिए चलता था तो टीचर कांपा करता था और बच्चे सारे अटैं ान होते थे। अंग्रेजो ने अपना सारा सिस्टम इस ढंग से बनाया हुआ था कि वे इस दे ा पर राज करते रहें। इसी तरह से उन्होने ि ाक्षा को अपनाया और अंग्रेजी लागू इसलिए कि की वे इस गुलाम दे ा के लोगो से अपना काम ले सके। आज दे ा को जो आजादी मिली उसका कुछ मतलब ही उल्टा हो गया है। आज ऐजूके ान का यह सिस्टम हो गया है कि आज का टीचर न तो एस0 डी0 ई0 ओ0 से डरता है और न ही डायरेक्टर आफ ऐजूके ान से डरता है। इस बारे में मै तो यह कहूंगा कि आज का जो टीचर है और वह

एम0 ए0 पास है, यदि वह बच्चो को मैथमैटिक्स पढाता है 10 वी क्लासके बच्चो को यदि उस किताब में से जिससे वह बच्चो को पढाता है, पेपर सैट कर दिया जाए, 100 नम्बर का और उससे कहा जायेकि वह 90–95 परसैंट नम्बर लेकर दिखाए तो वह 95 परसैंट नम्बर उस में से नही ले सकता जिसको वह खुद बच्चो को पढा रहा है। डिप्टी स्पीकर साहब, यदि इस दे ा को सही दि ाा की तरफ ले जाता है, यहां से बेरोजगारी और गरीबी दूर करती है या छूआछूत को या जात–पात के धर्म को दूर करना है तो यह केवल प्रस्ताव लोन से या नारे लगाने से दूर नही होगा बल्कि इसके लिए हमें बकायदा एक सिस्टम अपनाना होगा। जों आदमी आज सरकार में बैठे है वे केवल इस ओर न देखें कि हमें वोट फिर पडेंगे बल्कि उनको सिस्टम में जो चेंज करना उचित लगे उसे चैंज कर दें। यदि वे सिस्टम ठीक रखेगे तो उनको वोट भी दुबारा मिलेंगे। यानी अच्छा काम करने वालो को हटायेगा कौन? लेकिन आज होता क्या है कि हमारे ही लोग यानी हम पोलिटि ियन लोग ही वोट की खातिर सारे सिस्टम को ढीला छोडते है। जब सिस्टम ही ढीला होगा तो बेकारी भी बढेगी और गरीबी भी बढेगी। हम लोग ही गलत लोगो को प्रोटैक ान देते है। आज के दिन सारा सिस्टम खराब हो गया है। इसके मेरा यह सुझाव है कि यदि इस दे ा को आजाद रखना है, बेरोजगारी मिटानी है, छीना झपटी नही होने देनी है, भ्रश्टाचार मिटाना है और लोगो की गरीबी दूर करनी है तो हमें अपने सारे सिस्टम को बदलना होगा। डिप्टी स्पीकर साहब, आज टीचर खुद क्या है, वह

मै बताता हूं। आज के दिन टीचर स्कूल में टांग पर टांग रखे बैठा रहता है। आज के दिन वह बच्चो को गालिया ंदेकर संबोधित करता है। जब एक टीचर बच्चो से ऐसा व्यवहार करेगा तो वह बच्चो को करैक्टर के बारे में क्या बताएगा, जबकि खुद को उसे करैक्टर के बारे में ज्ञान नही है। असली करैक्टर तो पहले टीचर से भाुरु होता है। आज के दिन हर जगह भ्रश्टाचार बढ रहा है। उसका असर टीचर पर भी पडता है। वह भी सोचता है कि मै भी पीछे क्यों रहूं। दूसरे सभी महकमो में क्प ान के माध्यम से उपरी कमाइ होती है। इसी चीज को ध्यान में रखते हुए टीचर भी अपना स्टैंडर्ड राना चाहता है और इसी भावना से वह बच्चो को कुछ पढाता नही है। पहले समय में टीचर का बहुत आदर होता था। इसलिए मै चाहता हू कि आज के दिन टीचर को नम्बर एक नागरिक का दर्जा दिया जाना चाहिए। पहले जिस टीचर से कोई बच्चा पढा हुआ होता था और जब वह पढ–लिखकर चाहे डी0 सी0 एस0 पी0 या कितने ही बडे ओहदे पर क्यो न लगा हुआ हो, यदि उसका टीचर उसके सामने आ जाता था तो वह उठ कर खडा हो जाता था। मेरे कहने का मतलब है कि चाहे वह हाई कोर्ट या सुप्रीम कोर्ट का जज ही क्यों न हो, टीचर की पूरी इज्जत और कद्र करता था। आज सिस्टम को सुधारने की जरुरत है। टीचर को सारा रा ान फ्री दे दो, तन्खवाह बढा दो, और चाहे रहने के लिए फ्री मकान की सुविधा दे दो लेकिन उसको यह कहा जाए कि जिस क्लास के बच्चे को वह पढाता है, उसका एक साल बाद उसी सबजैक्ट का पेपर लिया जाएगा जिस सबजैक्ट को वह

बच्चे को पढा रहा है, यदि वह 95 परसैंट नही लाए तो आपको बर्खास्त क दियाजाएगा। हिन्दुस्तान के अन्दर इन्टलैकचुअल लोग पढाने के लिए प्रोफै ान में, ि ाक्षा के प्रोफै ान में नही आते। इस प्रोफै ान में आज उनका दखल नही है क्योंकि इस प्रोफै ान में कोई वि ोश आर्थिक लाभ नही है। आज लोग ि ाक्षा का क्षेत्र छोडकर दूसरे दे ाो की तरफ जा रहे है, दूसरे धंधो के अन्दर घुसने की कोि ा ा करते है। इस क्षेत्र मे इन्टैलैक्चुअल नाम की कोई चीज नही है। आज एजुके ान डिपार्टमैंट में इन्टलैकचुअल नाम की कोई चीज नही रह गई है, यह बात मंत्री महोदय को भी मालुम होगी कि कोई पेपर महकमे के अन्दर जाता है तो उसका पता ही नही चलता ि कवह कहां गया पेपर के पीछे भागना पडता है। यह इंऐफि ोयंसी दे ा के अन्दर किस कारण से है वे सब अच्छी एजुके ान न होने के कारण से है। धर्म बुराईयां दे ा के अन्दर है वे सब अच्छी एजुके ान न होने के कारण से है। धर्म के नाम पर लोगो को लडाना, लोगो का कोई काम न करना, सेवा की कोई भावना न होना, वोट का फोका नारा लगाना। ये सारी बुराईयां हमारे अन्दर ऐजुके ान सिस्टम ठीक न होने की वजह से पनपी है। गांव के अन्दर जहां स्कूल बनाया जाए वहां पर टीचर के रहने के लिए इंतजाम होना चाहिए। आज कोई भी टीचर गांव में नही जाना चाहता, क्योंकि वहां पर मैडिकल और अच्छी ऐजुके ान की फैसिलिटी नही है। जहां वे खुद पढाते है वहा पर अपने बच्चो को नही पढाते है क्योंकि उन्हे मालूम है कि हम तो यहां पर अच्छी तरह से पढाते ही नही, बच्चो का टाईम जाया करते है।

स्कूलो में जो बच्चे पढते है वे न घर के रहते है न बाहर के रहते है और न ही दे ा के काम के बनते है। वे निकम्मे बनते है और बुराईयो का ढेर अपने गले में लपेट कर स्कूलो से निकलते है, इससे समाज का सत्याना ा होता है। डिप्टी स्पीकर साहब, इस बारे में मेरा यह सुझाव है कि इस दे ा के अन्दर टीचर को नम्बर एक का नागरिक माना जाना चाहिए। हरियाणा की सरकार तो बडी प्रोग्रेसिव सरकार है। इस मामले में अगर यह स्टेट सारे दे ा में यह पहले कर दे तो दूसरी स्टेटस इसके नक ो कदम पर चलेंगी। मै समझता हूं कि सारे दे ा के प्रान्तो में हरियाणा ही एक ऐसा प्रदे ा है जो ऐसा कदम उठा सकता है। यह सरकार बहुत ही प्रोग्रेसिव माइंड के मिनिस्टरो की सरकार है। यह सरकार साधन सम्पन्न होती जा रही है और साधन सम्पन्न है भी। इस स्टेट में रिसोर्सिज भी बडे है। दिल्ली के नागरिक होने के कारण वहां से जल्दी पैसा लाने में भी कोई दिक्कत नही होती, क्योंकि एक दिन में दो बार दिल्ली जाया जा सकता है। अगर केरल का कोई मंत्री दिल्ली एड लेने आये तो उसको दोबारा आने में 3–3 महीने का टाईम लगेगा जब कि हरियाणा का मंत्री एड लेने दिल्ली जाए तो 10 दिन में ही चक्कर लगा सकता है और वह अपनी प्रोब्लम जल्दी हल कर सकता है। डिप्टी स्पीकर साहब, मै समझता हूं कि हरियाणा स्टेट की कैपेसिटी है कि यहां पर ऐजुके ान डिपार्टमैंट को नम्बर वन बनाया जा सकता है। टीचर्ज के ग्रेड हरियाणा स्टेट की सारी सर्विस से उपर ले जाए जा सकते है। उनके लिए खाने पीने का उचित प्रबंध करना चाहिए और गावों के अन्दर जहां भी

स्कूल हो चाहे वे टैक्नीकल ऐजुके ान के हो या दूसरे ऐजुके ान के इंस्टीच्यू ान्ज हो टीचर्ज के रहने के लिए क्वार्टरज बनाए जाने चाहिए ताकि टीचर्ज को गावों में रहने में कोई असुविधा न हो। टीचर्ज की क्लोनिज बनाई जाए जहां पर पढे लिखे इन्टैलैक्चुअल लोग हो। उनकी चिकित्सा का भी पूरा इन्तजाम होना चाहिए। उनको हर चीज फेयर भाौप्स से सस्ते दामो पर मिलनी चाहिए। मै समझता हूं तभी इस दे ा के इन्टैलैक्चुअल लोग इस डिपार्टमैट में आएंगे और अच्छी तरह से अच्छी से अच्छी ि ाक्षा बच्चे को देंगे, तभी स्पोर्टस का काम बाडी बिल्डिंग का काम, ने ानल करैक्टर का काम, अच्छी ऐजुके ान का काम, जाब ओरिएन्टिड ऐजुके ान का काम, टैक्नीकल ऐजुके ान का काम ठीक ढंग से हो पाएगा, उनको अच्छे विचार दिए जाने चाहिए ताकि हर बच्चो अच्छी प्रकार से ि ाक्षा प्राप्त कर सके। इस प्रकार के अन्स्टीच्यु ान्ज ओर माहौल पैदा करना चाहिए जिसमें बच्चे पढ कर आगे निकलें और आगे बढ कर खुद टीचर बनेगे तो वे नकल नही करने देंगे। जिन बच्चो को बचपन से ही अच्छी ि ाक्षा दी जाएगी, वे खुद पढ कर आगे बढेगे और जब खुद टीचर्ज बनेगे तो नकल नही करने देंगे। नकल की बिमारी कानुन बनाने से बन्द होने वाली नही है। बच्चो के अन्दर मोरल करैक्टर पैदा करके ही इसे दूर किया जा सकता है। जैसे कानून तो बना हुआ है कि अगर ए दूसरे का कत्ल नही करना लेकिन फिर भी कत्ल होते है और डकैती की जाती है। इसमें कानून का इतना बडा रोल नही है जितना भारी रोल इंसान के करैक्टर का है। इंसान का करैक्टर बचपन से ही बना दिया

जाए, उसको दे ा भक्त बना दिया जाए। वह तभी दे ाभक्त बनेगा जब हमारे टीचर आद र्ावादी होगे। उनके द्वारा पढाये हुए बच्चे डाक्टर बनेगे इंजीनियर बनेंगे और टीचर बनेंगे लेकिन आज के डाक्टर और इंजीनयर्ज के क्या हालात है? आज का इंजीनियर बिल्डिंग बनाने के नये नये तरीके निकालता है कि इतनी बिल्डिंग बनानी है तो इसमें इतना सीमेंट लगेगा। किस किस्म का मैटीरियल लगाएं, कैसे पैसा बचाया जाए और कैसे ठेकेदार से मिलकर किस किस्म का काम लिया जाए। उस बिल्डिंग की लाइफ कितनी होगी? वे यह नही सोचते यह सब ि ाक्षा का डिफैक्ट है, करैक्टर का डिफैक्ट है। अगर उनको भ्ाुरु से ही अच्छी ि ाक्षा दी जाए तो वे इस बारे में दे ा के साथ गन्दा काम करना तो दूर, सोचेंगे भी नही। यही काम डाक्टर्ज का है। आज हास्पीटल के अन्दर जाएं तो वहां क्या हाल है? हम गावों मे हर रोज देखते है कि आपस में झगडा होता है और पांच सौ रुपये देकर झूठा दफा 323 और 325 का मैडिकल सर्टिफिकेट ले आते है। जब उनके पास जाकर इस बारे में कंसल्ट किया जाता है तो वे इस बारे में लाचार हो जाते है। यह सारा ऐजूके ान सिस्टम का कसूर है। हमारे टीचर्ज इतने ऐफि ाएंट नही है, आधे पढे लिखे है तो इस प्रकार की बुराईयां समाज के अन्दर जरुर आएंगी और इनको कोई रोक नही सकता है। सरकार टीचर्ज को प्रान्त के अन्दर एक नम्बर का दर्ज दे और सभी गवर्नमैंट इम्पलाईज से ज्यादा तनख्वाह होनी चाहिए। जब आप इन पोस्ट्स को इकोनोमिक बनाएंगे तो इन्टैलैक्चुअल बनाएंगे तो लोग इनकी तरफ आकर्शित

होकर आएंगे। इससे मै समझता हूं कि हमारे दे ा में जब इस किस्म की ि ाक्षा होगी तो हमारे इंजीनियर्ज और डाक्टर्ज इन्टैलीजैन्ट होंगे। आज भी हमारे डाक्टर और इंजीनियर जीनियस है, वे दे ा के किसी भी कोने में चले जाएं, कामयाब होते है। वे दूसरे दे ाो में जाकर वहां के बडे साइन्टिस्टो से मिलकर सुपर पावर बना सकते है। संसार में कौन सा ऐसा दे ा है जहां हिन्दुस्तानी का दिमाग न बैठा हो। आप सऊदी अरब को देख लिजिए वहां पर सारी सडके, बिल्डिंगे और पुल सारे के सारे काम हिन्दुस्तानी कंट्रैक्टर्ज ने किए है वहां पर उनका आर्थिक आकर्शण है वैसे वे वहां रहना नही चाहते है। यहां का ऐजुके ान सिस्टम चेंज करके टैक्नीकल कर दिया जाए तो काफी तरक्की होगी। जहां तक बच्चो का सवाल है कि उन्हे किस लाइन में जाना चाहिए, यह माता–पिता की बात नही है कि वे बच्चे की लाइन के बारे में सोचे। यह तो बच्चे की पैदाइ ाी–रुचि होनी चाहिए कि वह किस लाइन में जाएगा। अपने प्रौफै ान को चूज करने के लिए बच्चो फ्री होना चाहिए। लोग बच्चो को पब्लिक स्कूलो में पढाना चाहते है पर वहां दाखिला नही मिलता और सरकारी स्कूलो में पढाई नही होती इसलिए वे उन दुकानो में चले जाते है जहां 100 परसैंट अच्छी पढाई होती है। यह दुकाने हम इसलिए चला रहे है कि हमारा एजूके ान सिस्टम ठीक नही है। अगर हमारा एजुके ान सिस्टम ठीक हो जाए तो पब्लिक स्कूल नही खुलेंगे। आप चाहे किसी तरह का कानून बना दो पर इस दे ा के नागरिको के पल्ले कुछ नही पडेगा, फिर भी वे पब्लिक स्कूलो में

जाएंगे। इसलिए मेरा निवेदन है कि हमें दे ा को मजबूत बनाने के लिए अपने एजुके ान सिस्टम में सुधार लाना चाहिए।

Mr. Deputy Speaker: Nalwa Sahab] you will resume your speech on the next non-official day. Now you please take your seat.

13.30 Hrs.

(The House stands adjourned till 9:30 a.m on Friday. the 5th March, 1993)